संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 32
पृष्ठ 8
शनिवार
18 अक्टूबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सफाई के दौरान न करें ये गलती...

विचार- प्रदूषण बड़ी मानवीय आपदा

खेल- रोहित-कोहली के रहते और मजबूत...

योगी का छात्रों को दिवाली गिफ्टः 5 लाख छात्रों को छात्रवृत्ति, सीएम ने कहा-

पहले चयन प्रक्रिया में होता था भेदभाव

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर को उद्धृत करते हुए कहा कि पढ़ लिख कर ही हम देश और समाज के लिए कुछ कर सकते हैं। मुख्यमंत्री लखनऊ में आयोजित दशमोत्तर एवं पूर्वदशम छात्रवृत्ति कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार दशमोत्तर एवं पूर्वदशम छात्रवृत्ति कार्यक्रम के अंतर्गत 10,28,205 छात्र,छात्राओं को 297. 95 करोड़ रुपये की धनराशि के हस्तांतरण हेतु आयोजित कार्यक्रम में योगी शामिल हुए। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि "वर्ष 2016–17 तक प्रदेश के अंदर केवल 46 लाख विद्यार्थी स्कॉलरशिप का लाभ

पाते थे, आज यह संख्या बढ़कर 62 लाख तक पहुंच गई है। योगी ने कहा कि छात्रवृत्ति का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना है ताकि वे अपनी ऊर्जा से समाज और राष्ट्र के विकास में सार्थक योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि आज लखनऊ में दशमोत्तर एवं पूर्वदशम के 10,28,205 छात्र–छात्राओं को 297. 95 करोड़ रूपये की छात्रवृत्ति का अंतरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि "हमारा संकल्प है कि किसी भी युवा, छात्र–छात्रा, खास तौर पर अनुसूचित जाति और जनजाति व अन्य पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने देंगे।" उन्होंने दीपावली से पूर्व मिले इस उपहार के लिए सभी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को हृदय से बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। योगी ने कहा "बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी बार–बार कहते थे–पढ़–लिखकर ही हम स्वावलंबन का जीवन व्यतीत कर सकते हैं और अपने देश व समाज के लिए कुछ कर सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी ने बाबा साहब के पढ़ाई के दिनों की चुनौतियों का स्मरण करते हुए कहा "आज पैसे की कमी नहीं है, छात्रों–छात्राओं की सुविधा के लिए सरकार ने अनेक कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं। आज अभ्युदय कोचिंग के माध्यम से हर जनपद में बेहतरीन प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पिछले 11 वर्षों में चलाई गई योजनाओं का लाभ देश और प्रदेश को मिला है। योगी ने कहा कि देश के 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से उबरकर सामान्य जीवन जीने का अवसर मिला है और उत्तर प्रदेश के छह करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया गया है। कार्यक्रम को समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने संबोधित किया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना करते हुए विभाग की सिलसिलेवार उपलब्धियां गिनाईं।

मोदी के 11 साल बिहार के लिए 'वरदान'

शाह ने नीतीश नेतृत्व में जीत का फूंका बिगुल

सारण, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सारण ज़िले में भाजपा का चुनावी बिगुल फूंका। उन्होंने तरैया के निवर्तमान विधायक जनक सिंह और अमनौर विधानसभा क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार कृष्ण कुमार मंटू के लिए प्रचार किया। तरैया में रैली को संबोधित करते हुए, अमित शाह ने बिहार के युवाओं को पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के जंगल राज की याद दिलाई और बताया कि कैसे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले 20 सालों में इससे मुक्ति पाई है। शाह ने कहा कि जब आप सारण से प्रचार शुरू करते हैं, तो हमें सिर्फ़ जीत ही दिखाई देती है। बिहार के युवाओं को लालू–राबड़ी के उस जंगल राज की याद दिलाने और उसके ख़िलाफ़ लड़ने का संकल्प दिलाने के लिए छपरा, सारण से बेहतर कोई जगह नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार को जंगल राज से मुक्त कराया है। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 11 सालों में बिहार के विकास के लिए काम किया है। प्रधानमंत्री मोदी के 11 साल गरीबों के लिए वरदान साबित हुए हैं। अमित शाह ने यह भी दोहराया कि एनडीए बिहार चुनाव नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री ने आगे कहा कि बिहार के लोगों को इस साल चार दिवाली मनाने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि हम बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं। इस बार बिहार के लोगों को चार दिवाली मनाने का मौका मिला है। पहली दिवाली भगवान राम के अयोध्या लौटने के अवसर पर है। दूसरी दिवाली अभी–अभी समाप्त हुई है। नीतीश जी और मोदी जी ने बिहार की महिलाओं को 10,000 रुपये दिए हैं। तीसरी दिवाली 395 उत्पादों पर जीएसटी को घटाकर 5 प्रतिशत और 0 प्रतिशत कर दिया है। चौथी दिवाली तब मनाई जाएगी जब एनडीए सबसे बड़े बहुमत के साथ आएगा और लालू, राहुल और उनकी कंपनी का सफाया कर देगा। ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बोलते हुए, अमित शाह ने कहा, प्लालू प्रसाद और कांग्रेस के शासनकाल में आतंकवादी 'खून की होली' खेलते थे।

पीएम मोदी ने श्रीलंकाई पीएम और मिस्र के विदेश मंत्री से की मुलाकात, क्षेत्रीय सहयोग पर हुई अहम चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दो अहम मुलाकातें कीं, एक पड़ोसी देश श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या से और दूसरी मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलअती से। इन मुलाकातों को भारत की पड़ोसी और रणनीतिक

साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट कर जानकारी दी कि उन्होंने श्रीलंका की प्रधानमंत्री का स्वागत किया और दोनों देशों के बीच कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। इसमें शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, नवाचार, विकास सहयोग और मछुआरों के कल्याण जैसे विषय शामिल थे। प्रधानमंत्री ने कहा, श्करीबी पड़ोसी होने के नाते, हमारे सहयोग का हमारे दोनों देशों की समृद्धि और साझा क्षेत्र के विकास में बहुत बड़ा महत्व है। भारत और श्रीलंका के बीच सांस्कृतिक और आर्थिक रिश्ते लंबे समय से गहरे रहे हैं। हाल के वर्षों में दोनों देश व्यापार, सुरक्षा और क्षेत्रीय सहयोग को लेकर लगातार संवाद बढ़ा रहे हैं। यह मुलाकात उसी कड़ी का अहम हिस्सा मानी जा रही है। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलअती से भी मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अब्देल फत्ताह अल–सीसी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने गाजा शांति समझौता में अहम भूमिका निभाई है।

रक्षा निर्यात में भारत की ऐतिहासिक उड़ानः 25,000 करोड़ का रिकॉर्ड

2029 तक 50,000 करोड़ छूने का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 25,000 करोड़ रुपये के स्तर को छू गया है, जो कुछ साल पहले के 1,000 करोड़ रुपये से एक बड़ी छलांग है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अब 2029 तक घरेलू रक्षा विनिर्माण में 3 लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात में 50,000 करोड़ रुपये हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में, ट्वड इंडिया ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हवाले से कहा कि हमारा रक्षा निर्यात, जो पहले 1,000 करोड़ रुपये से कम हुआ करता था, अब रिकॉर्ड 25,000 करोड़ रुपये तक पहुँच गया है। हमने अब 2029 तक घरेलू रक्षा विनिर्माण में 3 लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात में 50,000 करोड़ रुपये हासिल करने का लक्ष्य रखा है। इस बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता में इसके बढ़ते योगदान के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की सराहना की, क्योंकि उन्होंने तेजस एमके 1 ए की पहली उड़ान में भाग लिया और एचएएल के नासिक परिसर में नई विमान

उत्पादन लाइनों का उद्घाटन किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, रक्षा मंत्री ने कहा कि यह नासिक स्थित उनके संयंत्र का पहला दौरा था और उन्होंने वहाँ कार्यरत लोगों के उत्साह की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, एचएएल के नासिक परिसर का दौरा करने का यह मेरा पहला अवसर है और मैं यहाँ कार्यरत सभी लोगों के चेहरों पर उत्साह और गर्व देख सकता हूँ। मैं एलसीए एमके1ए और एसयू–30 विमान उड़ाने वाले पायलटों को अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ। सिंह ने तेजस एमके1ए के लिए एचएएल की तीसरी उत्पादन लाइन और एचटीटी–40 विमान के लिए दूसरी उत्पादन लाइन का उद्घाटन किया। सिंह ने आगे कहा, आज एमके1ए के लिए एचएएल की तीसरी उत्पादन लाइन और एचटीटी–40 विमान के लिए दूसरी उत्पादन लाइन का उद्घाटन है। इस अवसर पर सभी को बधाई। नासिक की भूमि ऐतिहासिक है – भगवान शिव यहाँ त्र्यंबकेश्वर के रूप में विराजमान हैं। यह भूमि न केवल आस्था और भक्ति की है, बल्कि अब आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन गई है। एचएएल यहाँ राष्ट्र की रक्षा शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा, आज जब मैंने एसयू–30, एमके1ए और भ्ज्ञ–40 की उड़ानें देखीं, तो मेरा सीना गर्व से चौड़ा हो गया। यह आत्मनिर्भरता का एक सच्चा उदाहरण है। नासिक सुविधा के परिवर्तन की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा, कभी यह स्थान मिग विमानों के उत्पादन के लिए जाना जाता था, लेकिन आज यह सुखोई विमानों के लिए एक आधुनिक उत्पादन केंद्र बन गया है।

क्रिकेटर जडेजा की पत्नी रीवाबा जडेजा का राजनीतिक उदय, गुजरात मंत्रिमंडल में मिली जगह

गांधीनगर, एजेंसी। लोकप्रिय भारतीय क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रीवाबा जडेजा ने शुक्रवार को गुजरात के नए मंत्रिमंडल में मंत्री पद की शपथ ली। जामनगर उत्तर से विधायक, वह मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वाले 26 सदस्यीय नए मंत्रिमंडल का हिस्सा बन गई हैं। शपथ ग्रहण समारोह गांधीनगर के महात्मा मंदिर में आयोजित हुआ। इस बड़े फेरबदल की पृष्ठभूमि में, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को छोड़कर गुजरात के सभी मंत्रियों ने गुरुवार को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। एक वरिष्ठ भाजपा नेता के अनुसार, यह कदम पटेल और पार्टी नेतृत्व को स्थानीय निकाय चुनावों और 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले रणनीतिक पुनर्गठन की योजना बनाने के लिए पर्याप्त समय देने हेतु उठाया गया था। शपथ ग्रहण समारोह से पहले, शुक्रवार को पटेल ने राजभवन में राज्यपाल आचार्य देवव्रत से मुलाकात की थी और नए मंत्रिमंडल के सदस्यों के शपथ ग्रहण समारोह के लिए औपचारिक रूप से अनुमति मांगी थी।

राहुल गांधी ने जुबीन गर्ग को दी श्रद्धांजलि, कहा-

सिंगापुर घटना पर चाहिए पारदर्शिता और न्याय

असम, एजेंसी। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने असम के कामरूप जिले में गायक जुबीन गर्ग की समाधि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा कि मैंने परिवार से कहा कि मैं बेहतर परिस्थितियों और खुशहाल परिस्थितियों में आना पसंद करता। जब मैं 17 साल का था, तब मैं सिक्किम में पर्वतारोहण का कोर्स करने गया था। और हर दिन जब हम प्रशिक्षण

के लिए जाते थे, तो मैं अपने सामने कंचनजंगा पर्वत को देखता था। और मुझे उस पर्वत की सबसे अच्छी बात यह लगी कि वह ईमानदार, पारदर्शी, अडिग और सुंदर था। जी ने कहा था कि वह कंचनजंगा हैं, और मुझे तुरंत एहसास हुआ कि वह कंचनजंगा ही हैं क्योंकि उनमें कंचनजंगा के गुण थे... यह एक त्रासदी है जिसका सामना पूरे राज्य ने किया है। मैंने परिवार से बात की, और उन्होंने मुझसे बस एक ही बात कहीरू हमने अपने जुबीन को खो दिया है और हम बस यही चाहते हैं कि सच्चाई सामने आए... सरकार का कर्तव्य है कि जो कुछ हुआ है उसकी तुरंत जाँच करे, पारदर्शी तरीके से जाँच करे, और परिवार को बताए कि सिंगापुर में क्या हुआ था। यह पूछे जाने पर कि क्या वह दिवंगत गायक जुबीन गर्ग के लिए भारत रत्न की मांग करेंगे, विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, ष्मैं विषय से भटकना नहीं चाहता। मैं चर्चा को संवेदना व्यक्त करने और असम के लोगों को यह बताने से नहीं भटकाना चाहता कि हम जुबीन गर्ग से प्यार करते हैं।

कोर्ट ने 'डिजिटल अरेस्ट' की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई

नई दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने हरियाणा के अंबाला में अदालत और जांच एजेंसियों के फर्जी आदेशों के आधार पर एक बुजुर्ग दंपति को 'डिजिटल अरेस्ट' कर उनसे 1.05 करोड़ रुपये की उगाही की घटना को शुक्रवार को गंभीरता से लिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने देश भर में डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई और 73 वर्षीय महिला द्वारा भारत के प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई को लिखे पत्र पर स्वतः संज्ञान लेते हुए दर्ज किए गए मामले में केंद्र और सीबीआई से जवाब मांगा।

संस्थापित 2001 संस्थापक : स्वर्गीय कन्हैया लाल, स्वर्गीय श्रीमती साधना

हिन्दी दैनिक/हिन्दी साप्ताहिक ◆ संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित

संपादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

प्रबंध संपादक
अरविन्द पाण्डेय

पंजीकृत कार्यालयः 289/238A, कर्नलगंज, (अनन्त भवन) प्रयागराज- 211002

M.: 9005239332, 9450482227

E-mail: shaharsamta@gmail.com
Website: www.shaharsamta.com

श्रीराम कॉलेज में दिवाली मेले के दौरान मुजफ्फरनगर पुलिस ने लगाया साइबर जागरूकता स्टॉल

छात्र–छात्राओं व आमजन को साइबर कॉमिक्स के माध्यम से दी गई डिजिटल सुरक्षा की जानकारी

मुज़फ्फरनगर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर श्री संजय कुमार वर्मा के निर्देशन में तथा पुलिस अधीक्षक अपराध श्रीमती इन्दु सिद्धार्थ के नेतृत्व में जनपदवासियों को विभिन्न कार्यक्रम, कॉमिक्स, साइबर जागरुकता वैन के माध्यम से जागरुक किया जा रहा है। इसी क्रम में आगामी दीपावली पर्व के अवसर

पर श्री राम कॉलेज, मुजफ्फरनगर में आयोजित दिवाली मेले के दौरान मुजफ्फरनगर पुलिस द्वारा साइबर जागरूकता स्टॉल लगाया गया। इस स्टॉल के माध्यम से छात्र–छात्राओं एवं आम नागरिकों को साइबर अपराधों के विभिन्न रूपों जैसे दृ ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग, फेक लिंक, ओटीपी धोखाधड़ी, सोशल मीडिया स्कैम, डिजिटल अरेस्ट आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। स्टॉल की विशेष आकर्षण रहा "चाचा चौधरी एवं साबू" पर आधारित साइबर सुरक्षा कॉमिक्स, जिनके माध्यम से युवाओं को रोचक और सरल तरीके से डिजिटल ठगी से बचाव के उपाय बताए गए। इस दौरान सभी को बताया कि साइबर अपराध से बचाव के लिए सदैव सतर्क रहें, किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, ओटीपी या बैंक डिटेल किसी से साझा न करें, फ्रॉड होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन अथवा निकटतम थाने पर मौजूद साइबर हेल्प डेस्क से संपर्क करें। साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 एवं् बलइमतबतपउम.हवअ.पद वेबसाइट की जानकारी भी सभी को दी गई, जहां शिकायतें दर्ज कर सहायता प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं, अभिभावकों व आगंतुकों ने स्टॉल पर पहुंचकर साइबर सुरक्षा से जुड़ी जानकारियाँ प्राप्त कीं। सभी ने पुलिस के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता अभियान समाज में डिजिटल साक्षरता बढ़ाने में अत्यंत उपयोगी हैं।

प्रदेश कार्यकारिणी बैठक में हुए कई अहम निर्णय, पत्रकारों के हित में आये प्रस्ताव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक लखनऊ के निराला नगर स्थित जे सी गेस्ट हाउस के सभागार में सुल्तानपुर के वरिष्ठ पत्रकार अरुण कुमार जायसवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन प्रांतीय महासचिव अरुण कुमार त्रिपाठी ने किया। बैठक में महासचिव, प्रदेश पदाधिकारी और विभिन्न जनपदों के प्रतिनिधि पत्रकार मौजूद रहे। बैठक की शुरुआत 12 सितम्बर 2025 की कार्यवृत्ति की पुष्टि से हुई। इसके बाद पत्रकारों के सामूहिक बीमा कराने के प्रस्ताव पर विस्तृत चर्चा हुई, जिस पर सभी सदस्यों ने सहमति व्यक्त की। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि समिति के परिचय पत्र निर्गत किए जा चुके हैं। आगामी बैठक 25 अक्टूबर 2025 को ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की जाएगी। बैठक में यह भी तय हुआ कि जो सदस्य निर्धारित तिथि तक सदस्यता शुल्क जमा नहीं करेंगे, उनकी सदस्यता समिति के संविधान के अनुसार स्वतः समाप्त मानी जाएगी। इस प्रस्ताव को

सर्वसम्मति से पारित किया गया। समिति की स्मारिका (स्मृति पत्रिका) के प्रकाशन की तैयारी जोरों पर है। अध्यक्षता कर रहे श्री जायसवाल ने बताया कि पत्रकारिता अथवा ऐतिहासिक स्थलों पर आधारित लेख 30 नवम्बर 2025 तक आमंत्रित किए जा रहे हैं। सर्वश्रेष्ठ लेखकों को जनवरी 2026 में आयोजित समारोह में सम्मानित किया जाएगा। बैठक में आज़मगढ़ जिला अध्यक्ष संतोष कुमार श्रीवास्तव ने सुझाव दिया कि आगामी कार्यकारिणी बैठक चारबाग क्षेत्र के निकट आयोजित की जाए। वहीं, यह भी निर्णय लिया गया कि जिला स्तरीय स्थायी समिति में उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति के एक पदाधिकारी को पदेन सदस्य के रूप में शामिल किए जाने के लिए शासनादेश जारी करने हेतु आग्रह पत्र भेजा जाएगा। पत्रकारों की सुविधा के लिए समिति ने परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह द्वारा बसों में पत्रकारों को सहयात्री सुविधा देने की पूर्व घोषणा को शीघ्र लागू कराने हेतु विभाग को पत्र भेजने का निर्णय लिया। इसके अतिरिक्त, बैठक में यह प्रस्ताव भी पारित हुआ कि पत्रकारों को शस्त्र लाइसेंस जारी कराने में प्राथमिकता दी जाए और इस संबंध में प्रमुख सचिव (गृह) को आग्रह पत्र भेजा जाए। पत्रकारों से संबंधित किसी भी जांच के मामलों में अनावश्यक उत्पीड़न न हो, इसके लिए भी समिति शासन से अनुरोध करेगी। पत्रकारों के हित में दीर्घकालिक कदम के रूप में समिति ने पत्रकार आवास हेतु सहकारी समिति गठित करने की प्रक्रिया प्रारंभ करने का निर्णय लिया है। साथ ही जनपदों में प्रेस शाखाएं सक्रिय कर जिला मजिस्ट्रेटों के माध्यम से राज्यपाल, मंत्रीगण एवं मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजे जाने का भी निर्णय हुआ। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने एक स्वर में कहा कि समिति पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत रहेगी और सरकार तक उनकी आवाज मजबूती से पहुंचाई जाएगी।

बलपूर्वक बेदखली मामले में आजम खां के खिलाफ अंतरिम राहत की अवधि बढ़ी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रामपुर के चर्चित बलपूर्वक बेदखली मामले में ट्रायल कोर्ट के अंतिम फैसले पर लगी रोक को 15 नवंबर तक बढ़ा दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन की एकलपीठ ने आजम खां और अन्य की अर्जी पर दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रामपुर के चर्चित बलपूर्वक बेदखली मामले में ट्रायल कोर्ट के अंतिम फैसले पर लगी रोक को 15 नवंबर तक बढ़ा दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन की एकलपीठ ने आजम खां और अन्य की अर्जी पर दिया है। रामपुर के कोतवाली में 2019 में मुकदमा दर्ज किया गया था।

जयंती पर विशेष: आलोचना, जुनून और जिद के संगम ने दूधनाथ सिंह को बनाया साठोत्तरी पीढ़ी का सर्वश्रेष्ठ कथाकार

प्रयागराज। उस दिन दूधनाथ सिंह का कहानीकार बनने का नशा चूर हो चुका था। कई दिनों तक बेचैन रहे। फिर उन्होंने कहानीकार बनने की चुनौती स्वीकार कर ली, जुनून पाल लिया, जिद ओढ़ लिया और साठोत्तरी पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ कथाकारों में शामिल हुए। कहते थे कि आजकल लोग अपने खिलाफ आलोचनाओं को बुरा मान जाते हैं, जबकि आलोचना लेखक की मजाई करने का काम करती है। जाने माने साहित्यकार रविनंदन सिंह ने दूधनाथ सिंह की जयंती पर उनके जीवन संघर्षों पर प्रकाश डाला और उनके साथ बिताए गए यादगार पलों को साझा किया।

एक बार कथाकार एवं आलोचक दूधनाथ सिंह ने हिंदुस्तानी एकेडेमी की एक बैठकी में बातचीत के क्रम में बताया था कि जब उनकी पहली कहानी पर परिचर्चा आयोजित की गयी थी, तब भैरव प्रसाद गुप्त, मार्कंडेय, नरेश मेहता, रघुवंश, अमृतराय जैसे दिग्गज मंच पर विराजमान थे। उस दिन सरेआम दूधनाथ सिंह की कहानियों की धज्जियां उड़ाई गईं। सलाह दिया गया कि वे कहानी लिखना छोड़कर बेहतर होगा कि आलोचना में ही हाथ आजमाएं और कविताएं ही लिखें। उस दिन दूधनाथ सिंह का कहानीकार बनने का नशा चूर हो चुका था। कई दिनों तक बेचैन रहे। फिर उन्होंने कहानीकार बनने की चुनौती स्वीकार कर ली, जुनून पाल लिया, जिद ओढ़ लिया और साठोत्तरी पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ कथाकारों में शामिल हुए। कहते थे कि आजकल लोग अपने खिलाफ आलोचनाओं को बुरा मान जाते हैं, जबकि आलोचना लेखक की मजाई करने का काम करती है।

साहित्यिक जमात पर की कड़ी टिप्पणी

इलाहाबाद के साहित्यिक जमात के बारे में उनकी एक खौलती हुई टिप्पणी है किदृ "अजब दस्तूर है इस शहर का ! तंगहाली और जलालत के भीतर हंसते हुए हमेशा यहां के लोग एक दूसरे की जड़ में मट्ठा डालने को तैयार रहते हैं। आपने ज्योंही थोड़ा खाद–पानी ग्रहण किया, हरियाने को हुए कि तुरंत एक आदमी आपकी जड़ के आसपास की मिट्टी खुरपिया कर आपकी जड़ों में झांकझूक करेगा और पहला अवसर मिलते ही अपनी बुद्धि की चुटैया खोलकर थोड़ा मट्ठा डालकर, ढांकढूंक कर चलता बनेगा। फिर एक आंख से देखता रहेगा कि बावजूद मट्ठे के आपमें हरियाने की ताकत बची है या नहीं। अगर उसके बावजूद आप हरियाते चले जा रहे हैं तो आप में दम है, वरना अपना डेरा–डंडा उठाइए और चलते बनिये।

इलाहाबाद आदिवासी मुसहर प्रजाति के रचनाकारों का शहर है। कीचड़ और दलदल में सोंटा गड़ा–गड़ा कर ये मुसहर आपको खींचकर बाहर निकाल लेते हैं। अगर आप ज़्यादा फन काढ़ रहे हैं और हंसने को आकुल–व्याकुल हैं तो खट्–से इलाहाबादी मुसहर एक पत्थर की पटिया निकालेगा। आपका फन और ज़हर घिसकर आपको कंधे पर डाल लेगा और चलता बनेगा। उसके बाद भी अगर आप उसे डंसने की ताकत रखते हैं तो वह कन्धे से उतारकर आपको स्थापित करेगा और कहेगा, श्हे नाग देवता ! मेरा गदगद प्रणाम, कृपया, ग्रहण करें।श

फन घिसने में माहिर इस शहर के पुराने लेखक आपको रगड़–रगड़कर चमकाते भी हैं। और आपकी दिव्य कांति पर गर्व भी करते हैं। यह इस बंजारा–बिरादरी का रहन–सहन है। यह एक खास किस्म की निजी, बौद्धिक ज्योति से आपको आलोकित करने का वह ढंग है जिससे आप, सिर्फ आप ही जैसे लगें। और आपकी तरह कभी कोई दूसरा न लगे। मौलिकता का यही संस्कार पाना और देना इस नगर के मुसहरों का धर्म है– एक साहित्यिक धर्म, एक कलात्मक संस्कार से पवित्र करने का अद्भुत अनुष्ठान, जो जाने–अनजाने ही यहां घटित होता रहता है। अगर आप इसमें असफल हुए तो शनिचली तहोंश में डाल दिए जाते हैं। या फिर किसी दूसरे शहर में ठिकाना कीजिए और सिरमौर बन जाइए। (संदर्भ दृ 'लौट आ, ओ धार' , दूधनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, द्वितीय संस्करण 1997, पृष्ठ 99)

एक बार आए इलाहाबाद और फिर यहीं के हो गए

दूधनाथ सिंह 1956 में इलाहाबाद आए और आजीवन यहीं के होकर रह गए। 1958

में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से एम.ए. करने के बाद दूधनाथ सिंह नौकरी के लिए भटकने लगे। 1960–62 में कलकत्ता में अध्यापन किया किंतु चस्का तो इलाहाबाद का लग चुका था। अतः कोलकाता छोड़कर चले आए। लिखने–पढ़ने का एक नशा बुरी तरह लग चुका था। गोष्ठियां, साहित्यिक उठापटकें, गप्पें, काफी हाउसिंग, यह सब उनकी आजीविका के रास्ते के रोड़े थे और दूधनाथ सिंह अपनी बर्बादी में खुशी–खुशी शरीक थे। वे खुद कहते कि वे अपनी विनाशलीला के बादशाह थे। घर के लोग निराश हो चुके थे। इनके सभी छोटे भाई खेतीबाड़ी या पुलिस की नौकरी में लग चुके थे। दूधनाथ जी स्वयं कहते थे कि मुझसे घरवालों को सबसे ज्यादा आशा थी, मुझ पर परिवार द्वारा बहुत पैसा बर्बाद किया गया। पहले लोग मेरी नजीर देते थे किन्तु उन लोगों की नज़र में अब मैं आवारा निकल चुका था। अब मुझ पर बड़ी नौकरी का नहीं बल्कि लेखक बनने की झक सवार थी।

कभी रहने के लिए नहीं थी कोई जगह

एक समय ऐसा भी था जब उनके पास रहने की कोई जगह नहीं थी। किराया न दे पाने के कारण कई बार उन्हें अपनी बाल्टी, लोटा, बिस्तर और किताबें छोड़कर भागना पड़ा। इलाहाबाद में पुरुषोत्तम नगर, मुट्ठीगंज, चौथम लाइन, लीडर प्रेस कंपाउंड आदि कई ठिकाने बदलने पड़े। यह उनकी भुखमरी के दिन थे। उन्होंने एक जगह लिखा है कि श्मैं लगभग बेपर्द और निहंग हो गया था, एक ऐसे भिखारी की तरह जिसके पास अपने लुगड़े भी नहीं बचे थे। ...मेरा आत्मसम्मान भी नहीं बचा था।श इन स्थितियों वे कई दिन रेलवे स्टेशन के हाल के एक कोने में सोते थे। उनकी इस हालत पर दया करके भारती भंडार के मालिक वाचस्पति पाठक ने अपने घर का एक कमरा दूधनाथ सिंह को दिया था। एक अवस्था वह भी आयी जब साथ में पत्नी और दो बच्चे हो गए और दूधनाथ सिंह के पास कोई काम नहीं था।

जिस दिन दूधनाथ सिंह की पहली किताब 'अपनी शताब्दी के नाम' की लेखकीय प्रतियों का बंडल ज्ञानपीठ से प्रकाशित होकर उन्हें मिला तो उस दिन सुबह से घर में खाने को कुछ नहीं था और उस समय वे अपने बेटे को चीनी–पानी पिला रहे थे। फिर भी किताब देखकर आनंद से भर उठे थे। बाद में सुमित्रानंदन पंत की अनुकंपा से विश्विद्यालय में अध्यापक की नौकरी मिली। जब दूधनाथ के आगे पीछे कोई नहीं था और जब वे रसूलाबाद के सेनेटोरियम में टी.बी. से जूझ रहे थे तब पंतजी अकेले व्यक्ति थे जो उन्हें देखने गए थे। अपनी पुस्तक श्लौट आ, ओ धारश में दूधनाथ सिंह ने बहुत मन से पंतजी का स्मरण किया है।

अपने विरोधियों को भी सम्मान देते थे दूधनाथ सिंह

जब 2016 में दूधनाथ सिंह अपने गुरु डॉ धीरेंद्र वर्मा की ग्रंथावली पर काम कर रहे थे, उन दिनों हिन्दुस्तानी एकेडेमी अक्सर आया करते थे। धीरेन्द्र वर्मा एकेडेमी के सचिव रह चुके थे और उनकी प्रायः सभी पुस्तकें एकेडेमी पुस्तकालय में उपलब्ध थीं। उन दिनों दूधनाथ जी एक दिन मेरे कार्यालय कक्ष में बैठे हुए थे, उसी समय उनके पास एक फोन आया। कुछ बातें हुईं और दूधनाथ जी सीधे डांटने के अंदाज में बोले षमैं किसी पुरस्कार के लिए अपनी संस्तुति नहीं कराऊंगा, क्यों कराऊं, मुझे नहीं चाहिए पुरस्कार। जिस पुरस्कार के लिए खुद आवेदन करना हो और संस्तुति करानी पड़े वह पुरस्कार मुझे नहीं चाहिए।ष फोन काटने पर मैंने पूछा कि क्या हुआ गुरुजी? उन्होंने बताया कि कह रहा था कि हिन्दी संस्थान के महात्मा गांधी सम्मान के लिए किसी से जल्दी संस्तुति करा दीजिए, अंतिम तारीख एक दो दिन बची है। ताज्जुब की बात है कि उसी साल उन्हें संस्थान का भारत भारती सम्मान मिला। अगर दूधनाथ सिंह गांधी सम्मान के लिए संस्तुति करा दिए होते तो नियमानुसार उन्हें श्भारत भारतीश सम्मान नहीं मिल पाता। वह फोन इसी साजिश के तहत किया गया था।

अक्सर देखा जाता है कि विरोधी विचारधाराओं के लोग एक साथ बैठना भी पसंद नहीं करते। किंतु दूधनाथ जी इसके अपवाद थे। ऐसा ही अनुभव मुझे 2017 में हिंदुस्तानी एकेडेमी के स्थापना दिवस के अवसर पर हुआ। तब मैं एकेडेमी में पदाधिकारी था। यह विशिष्ट अनुभव था न्यायमूर्ति गिरिधर मालवीय तथा कथाकार आलोचक दूधनाथ सिंह के बारे में। दोनों समवयस्क थे और दूधनाथ जी मालवीय जी से केवल तीन दिन छोटे थे। विचारधारा के स्तर पर दोनों एक दूसरे के धुर विरोधी थे। जहां जस्टिस गिरिधर मालवीय 2014 संसदीय चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्तावक रह चुके थे वहीं कथाकार दूधनाथ सिंह आग्रही वामपंथी, जलेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मोदी के घोर विरोधी थे।

बहिष्कार के बावजूद हिंदुस्तानी एकेडेमी की स्थापना दिवस में लिया हिस्सा

यह अवसर था 2017 में हिंदुस्तानी एकेडेमी की स्थापना दिवस का। उस समय तीनों वामपंथी संगठन, प्रलेस, जलेस और जसमदृ एकेडेमी का बहिष्कार कर रहे थे। मुझे जस्टिस गिरिधर मालवीय का बहुत स्नेह मिलता था। जस्टिस प्रेमशंकर गुप्त के बाद वही थे जो मेरी छोटी बड़ी हर मुश्किल को आसान कर देते थे। उन्हें स्थापना दिवस समारोह का मुख्य अतिथि बनाने के लिए मैं उनके घर जाकर मिला। उन्होंने सहर्ष मेरा प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। फिर चाय पीने को कहा और एकेडेमी की गतिविधियों के बारे में बात करते रहे।

दूसरी तरफ दूधनाथ जी भी मुझे बहुत स्नेह देते थे। वामपंथी संगठनों के बहिष्कार के बावजूद वे अक्सर एकेडेमी आते रहते थे और घंटों बैठते थे। उन्होंने स्थापना दिवस की ख़बर पढ़कर मुझे फोन किया और साधिकार पूछा कि तुम्हारे यहां स्थापना दिवस समारोह होने वाला है तो उसमें मुझे क्यों नहीं बुलाए? मैने कहा कि आप लोग तो एकेडेमी का विरोध कर रहे हैं। इस पर उन्होंने कहा कि मैं तो विरोध नहीं कर रहा हूं। बुलाकर तो देखो। फिर मैने उन्हें सादर आमंत्रित किया। उन्होंने पूछा कि मंच पर और कौन–कौन है? मैने बताया कि जस्टिस गिरिधर मालवीय मुख्य अतिथि हैं और अध्यक्षता करेंगे प्रो. के. बी. पांडेय। सुनते ही उन्होंने कहा कि मैं जरूर आऊंगा और आने का एक और आकर्षण हैं गिरिधर मालवीय। उनसे कई वर्षों के बाद मुलाकात होगी।

अब मेरे लिए बड़ी दुविधा खड़ी हो गई थी। दूधनाथ सिंह की उपस्थिति के बारे में जस्टिस गिरिधर मालवीय को बताना जरूरी था। उनकी प्रतिक्रिया क्या होगी इस बात को लेकर मेरे मन में गहरा संशय था। कहीं नाराज़ न हो जाएं। अगर कहीं मना कर देंगे तब क्या होगा। दोनों की विचारधारा विरोधी है। इन सब बातों को लेकर मैं गहरे असमंजस में था। संकोच करते हुए मैं शाम को मालवीय जी के घर पहुंचा और पूरी बात बताई। मेरी आशंका के विपरीत मालवीय जी बहुत खुश हुए और बोले कि यह तो बहुत अच्छी बात है, दूधनाथ जी बड़े विद्वान् हैं। उनसे हमारी बड़ी पुरानीआत्मीयता है उनसे मिलकर अच्छा लगेगा। स्थापना दिवस के दिन दोनों आए, मिले और जस्टिस गिरिधर मालवीय ने दूधनाथ जी को गले लगा लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान दोनों के बीच का माधुर्य देखते ही बनता था। शायद बड़े लोग ऐसे ही होते हैं। गुरुदेव को विनम्र नमन– रविनंदन सिंह

रिटायर्ड प्रोफेसर, शिक्षिका व दवा कारोबारी से 55.57 लाख की ठगी, निवेश, आनलाइन शापिंग के नाम पर लूटे

प्रयागराज। सिविल लाइंस की रहने वालीं रिटायर्ड प्रोफेसर, झूंसी निवासी शिक्षिका और दवा कारोबारी से 55.57 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने फेसबुक पर दोस्ती कर शेयर बाजार में निवेश, एपीके फाइल डाउनलोड करने और ऑनलाइन शॉपिंग के नाम पर इन्हें चपत लगा दी। सिविल लाइंस की रहने वालीं रिटायर्ड प्रोफेसर, झूंसी निवासी शिक्षिका और दवा कारोबारी से 55.57 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने फेसबुक पर दोस्ती कर शेयर बाजार में निवेश, एपीके फाइल डाउनलोड करने और ऑनलाइन शॉपिंग के नाम पर इन्हें चपत लगा दी। तीनों मामलों में साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज किया है। झूंसी निवासी दवा कारोबारी ने पुलिस को बताया कि फेसबुक पर अनिका कॉर्टज नाम की युवती से दोस्ती हो गई। उसने अपना पता गुरुग्राम के सेक्टर–37 बताकर व्हॉट्सएप पर बात करना शुरू कर दी। इसके बाद शेयर बाजार में ट्रेडिंग कर मोटा मुनाफा कमाने का लालच दिया। एक वेबसाइट का एक लिंक भेजकर खाता खोलने को कहा। झांसे में आकर उन्होंने खाता खुलवा दिया। कुछ रुपये जमा करने के बाद मुनाफा भी दिया गया लेकिन जब उन्होंने दो लाख रुपये निकालने का प्रयास किया तो रुपये नहीं निकले। कहा गया कि इसमें एक लाख डॉलर जमा करने होंगे। रुपये निकालने के चक्कर में अपने दोस्तों और रिश्तेदारों से लोन लेकर 31.91 लाख रुपये जमा करा दिए। इसके बाद और रुपयों की मांग की गई। पैसे न होने के कारण अनिका ने 15 लाख रुपये देने की बात कही। फर्जी तरीके से उसने खाते में रुपये जमा करवाकर रसीद भेज दी। शक होने पर बैंक में पता किया तो जानकारी मिली कि खाते में पैसे जमा नहीं हुए हैं। इसके बाद 3.26 लाख रुपये की और मांग की गई। जब बात करने का प्रयास किया तो नंबर बंद मिला। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र की रहने वाली रिटायर्ड प्रोफेसर ने पुलिस को बताया कि उनके व्हॉट्सएप पर 14 अगस्त को अंजान नंबर से फोन आया और फिर एक एपीके फाइल भेजी गई। फाइल पर क्लिक करते ही वह डाउनलोड होने लगी।

शराब शम्आ दिये का उजाला राम के नाम

नई सहर का मुक़द्दस हवाला राम के नाम –अनवार अब्बास

प्रयागराज। शुक्रवार को को साहित्यिक संस्था श्उर्दू हिन्दी संगमश की ओर से ष्दीपावली मिलन संध्याष के नाम से एक अदबी महफ़िल सजाई गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता उस्ताद शाइर जनाब अनवार अब्बास नक़वी साहेब ने की। उन्होंने इस मौक़े पर बोलते हुए कहा कि–तीज त्योहार मानव जीवन में संवेदनाओं,

आभास और भावनाओं को संतुलित करते हैं। जिस से समाज संतुलित और संगठित होता है। कार्यक्रम का संचालन शाइरा संगीता श्सुमनश ने किया ।

विशेष अतिथि के रूप में डा प्रदीप चित्रांशी जी ने दीपावली त्योहार के महत्व और प्राचीन संदर्भों पर विस्तार से प्रकाश डाला । उनका दोहा–––––

रौनक बन त्योहार जब, आए बहुत समीप।
चूल्हे में हलचल दिखे, दरवाज़े पर दीप।।

शाइरा सुनैना त्रिपाठी ने पढ़ा ––––

ईद, दीपावली, मीलाद, मुहर्रम वाले,
एक झंडे के तले एक ही परचम वाले।
अपनी तहज़ीब का उनवान है गंगा जमुनी,
दामने मुल्क में हम लोग हैं संगम वाले।

शाइर शाहिद अली शाहिद ने कहा––––

जुनूं वह रंग फिर लाने लगा है,
क़लम से फिर लहू आने लगा है।

शाइरा संगीता श्सुमनश ने कहा–––

दिया मिट्टी का सोने का उजाला
गुलाबी होता मौसम ठंड वाला
दिलों के आंगनों में रसमसाहट
छलकता आरजूओं का पियाला

इनके अलावा जनाब शाहिद इलाहाबादी,जनाब सुनील दानिश,मोहतरमा संगीता सुमन

नवाब जाफ़र अस्करी ने अपनी रचनाएँ पढ़ी। अन्त में जाफर ने आभार व्यक्त किया।

घर में सो रहे युवक का निजी अंग काटा, हालत गंभीर, अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज

प्रयागराज। मऊआइमा थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले 20 वर्षीय युवक का चाकू से निजी अंग काटने का मामला सामने आया है। पीड़ित की हालत गंभीर बनी हुई है। घर में सोते समय बुधवार की रात हुई इस घटना से परिजन और ग्रामीण भी स्तब्ध हैं। मऊआइमा थाना क्षेत्र के एक गांव के रहने वाले 20 वर्षीय युवक का चाकू से निजी अंग काटने का मामला सामने आया है। पीड़ित की हालत गंभीर बनी हुई है। घर में सोते समय बुधवार की रात

हुई इस घटना से परिजन और ग्रामीण भी स्तब्ध हैं। सूचना पर पहुंची मऊआइमा थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। परिजनों के अनुसार, रात करीब दो बजे अज्ञात आरोपियों की ओर से घटना को अंजाम दिया गया। इसके बाद चीख पुकार के साथ पीड़ित खून से लथपथ हालत में बड़े भाई के कमरे में पहुंचा और बेहोश हो गया। देखते ही देखते परिजनों के साथ ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए लेकिन आरोपियों का सुराग नहीं लगा। ग्रामीणों की मदद से परिजनों ने पीड़ित को गंभीर हालत में स्वरूप रानी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने भी मामले की जांच पड़ताल की। इस दौरान पीड़ित के बड़े भाई ने बताया कि छोटा भाई अलग कमरे में सोया था। इस दौरान अज्ञात आरोपियों ने चाकू से उसका निजी अंग काट दिया है। पीड़ित युवक पांच भाइयों व दो बहनों में सबसे छोटा है और अभी अविवाहित है। मऊआइमा थानाध्यक्ष पंकज अवस्थी ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद जांच पड़ताल की जा रही है। फिलहाल घटना का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पीड़ित के होश में आने के बाद विस्तार से पूछताछ की जाएगी।

दीपों और रंगों का पर्व अशोका हॉल स्कूल में रंगोली प्रतियोगिता संपन्न

जबलपुर। अशोका हॉल स्कूल में 17 अक्टूबर को दीपावली के उपलक्ष्य में डारेक्टर अर्पिता मालपाणी , सी ई ओ सर प्रदीप, प्राचार्या आशिमा जॉन मैडम , शैली पिल्ले मैडम ,और आस्था क्टूरिया मैडम के मार्गदर्शन में अशोका हॉल स्कूल में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। । इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में सृजनशीलता, रंगों के प्रति सौंदर्यबोध और

भारतीय संस्कृति के प्रति प्रेम को प्रोत्साहित करना था। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए दीपावली के पर्व को रंगों और सृजनशीलता से जीवंत बना दिया।प्रतियोगिता दो श्रेणियों में आयोजित की गई कृ रंगीन रंगोली और फूलों की रंगोली। रंगीन रंगोली में कक्षा 5 से 12 तक के विद्यार्थियों को तीन समूहों में बाँटा गया, जबकि फूलों की रंगोली में दो समूह बनाए गए। प्रत्येक हाउस की टीम ने अपनी–अपनी रंगोली प्रस्तुत की, जिससे विद्यालय परिसर रंगों की छटा से निखर उठा। प्रत्येक हाउस द्वारा दोनों श्रेणियों में एक–एक रंगोली प्रस्तुत की गई, जिससे विद्यालय का प्रांगण रंगों और पुष्पों की सुगंध से महक उठा। विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशक्ति से विविध आकृतियाँ बनाईं जो दीपावली की भावना को सजीव कर रही थीं। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मक अभिव्यक्ति और भारतीय संस्कृति के प्रति प्रेम को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में सभी छात्रों की सहभागिता उत्साहजनक रही। आयोजन में निर्णायकों की भूमिका डारेक्टर अर्पिता मालपाणी, सी ई ओ सर प्रदीप, प्राचार्या आशिमा जॉन मैडम, शैली पिल्ले मैडम और आस्था क्टूरिया मैडम ने निभाई थी निर्णायकों ने प्रतिभागियों की रचनात्मकता की सराहना की और विजेताओं को सम्मानित किया गया।

आ ब्रोकन चेयर का हुआ सफल मंचन

प्रयागराज। संस्था रंगचक्र द्वारा आज स्माइल चुराना द्वारा लिखित अनुवाद उमा झुनझुनवाला का नाटक A Broken chair (ब्रोकन चेयर) का मंचन मुट्ठीगंज के स्टूडियो थिएटर में संपन्न हुआ। नाटक का निर्देशन गौरव शर्मा द्वारा किया गया । रवि, अजीज और सुमित्रा जो कभी साथ पढ़ते और सहपाठी थे और एक–दूसरे से एक वीरान स्थान पर अचानक मिलते हैं। रवि को वहां एक टूटी हुई कुर्सी मिलती है, जिसका एक पांव नहीं था । रवि उस पांव को खोजता है। कुर्सी का पांव अजीज को मिल

जाता है, दोनों की कुर्सी पर अधिकार के लिए लड़ाई होती है। तभी सुमित्रा उनसे लड़ाई खत्म करके कुर्सी खुद सौंप देने को कहती है। उस के पास भी एक टूटी हुई घड़ी जो चलती नहीं है । वो उस कुर्सी के पांव के बदले घड़ी अज़ीज़ को देने के लिए तैयार है । तीनों अपनी अपनी चीज़ों से बंधे है रवि टूटी हुई कुर्सी से अज़ीज़ कुर्सी के एक पांव से और सुमित्रा टूटी हुए घड़ी से । इस छोटी सी कहानी के जरिए मानव की जिंदगी के बीच अंतरद्वंद्व को दर्शाने की कोशिश की गई है। यह नाटक मानव जीवन के अंतर्द्वंद्व और संबंधों के विभिन्न पहलुओं को दर्शाता है। इस छोटी सी कहानी के माध्यम से मानव जीवन में भौतिक चीज़ों पर अधिकार की लालसा और मानवीय रिश्तों में आने वाले उतार–चढ़ाव और जटिलताओं को गहराई से दर्शाता है। यह प्रतीकात्मक रूप से यह भी दिखाता है कि लोग किस तरह महत्वहीन वस्तुओं के लिए लड़ते हैं। नाटक में आयुष केसरवानी, स्वेता जायसवाल, हर्षित केसरवानी ने अभिनय किया संगीत संचालन हेमन्त सिंह ने किया। प्रकाश संचालन गौरव शर्मा का रहा। मंच निर्माण हर्ष राज, अभिषेक दुबे, लव कुश सरोज, शिखर चंद्रा, ऋषि गुप्ता का रहा।

कोर में समीक्षा बैठक व दीपोत्सव का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज द्वारा दिनांक 02/10/2025 से 31/10/2025 तक चलने वाले "स्वच्छता पखवाड़ा के विशेष अभियान 5.0" के अन्तर्गत दिनांक 17/10/2025 को कार्यालय प्रांगण में महाप्रबन्धक श्री रामेन्द्र कुमार तिवारी, की गरिमामयी उपस्थिती में पौधा रोपण एवं मिट्टी के दिये जला कर दीपोत्सव का आयोजन किया गया। महाप्रबन्धक महोदय एवं सभी विभागाध्यक्षों ने चल रहे "स्वच्छता पखवाड़ा के विशेष अभियान 5.0" के तहत

पर्यावरण को संरक्षित करने हेतु कार्यालय प्रांगण में प्रातः पौधा रोपण किया। तत्पश्चात सभी अधिकारियों के साथ रेल विद्युतीकरण कार्यों कि समीक्षा बैठक की। पिछले वर्ष की भाँति इस वर्ष भी कोर कार्यालय प्रांगण में दीपोत्सव का आयोजन किया गया। इस आयोजन में सामान्य विभाग द्वारा आकर्षक रंगोली बनाई गई तथा पूरे कार्यालय को सजाया गया। महाप्रबन्धक महोदय के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित कर दीपोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ करने के उपरान्त कोर के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूरे कार्यालय में दीप जला कर कार्यालय को प्रकाशमान किया। इस अवसर पर डॉ एस. एस. नेगी–मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, श्री हिमांशु बडोनी–वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक/मुख्य सतर्कता अधिकारी, श्री डी.के.सिन्हा–प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर एवं श्री उपेंद्र कुमार–मुख्य बिजली इंजीनियर सहित कोर कार्यालय के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

नगरपालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने किया महिला चिकित्सालय का निरीक्षण

जिला महिला चिकित्सालय में साफ–सफाई और व्यवस्थाओं का लिया जायजा, मरीजों की सुविधाओं को बताया प्राथमिकता

मुजफ्फरनगर। शहर के प्रमुख स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति सुधारने की दिशा में स्थानीय प्रशासन लगातार सक्रिय है। इसी क्रम में मुज़फ्फरनगर जिला महिला चिकित्सालय में नगरपालिका परिषद् की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने औचक निरीक्षण कर सफाई एवं अन्य व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान सीएमएस डॉ. आभा आत्रेय समेत अस्पताल का पूरा प्रशासनिक अमला मौजूद रहा।

जिला महिला चिकित्सालय में नगरपालिका परिषद् की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने निरीक्षण कर अस्पताल में स्वच्छता, व्यवस्था और मरीजों को दी जा रही चिकित्सा सुविधाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ–सफाई व्यवस्था की सराहना की, साथ ही जहां कुछ कमियाँ दिखीं, वहां सुधार के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान मीनाक्षी स्वरूप ने वार्डों में जाकर मरीजों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। अस्पताल के कार्यालयों में स्टाफ से भी मुलाकात की। अस्पताल की आवश्यकता को भी समझने का प्रयास किया।

निरीक्षण के समय मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) की भी अध्यक्ष ने जानकारी ली और पालिका प्रशासन की ओर से हर संभव सहयोग का भरोसा भी दिया।

डॉ. आभा आत्रेय ने अस्पताल की मौजूदा व्यवस्थाओं और स्टाफ की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. आत्रेय ने बताया कि अस्पताल प्रशासन द्वारा नियमित साफ–सफाई और मरीजों की सुविधा के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। अस्पताल परिसर में कूड़ा निस्तारण, पेयजल, शौचालय और दवा वितरण की स्थिति

निरीक्षण को लेकर नगरपालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने कहा कि स्वस्थ समाज की नींव स्वच्छ और सुचारु स्वास्थ्य सेवाओं पर टिकी होती है। हमारा प्रयास है कि मुज़फ्फरनगर की जनता को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं मिले। जिला महिला चिकित्सालय में व्यवस्थाएं संतोषजनक हैं, लेकिन जहाँ सुधार की आवश्यकता है, वहाँ तत्काल सहयोगात्मक दृष्टिकोण से हम कार्य कराने के लिए प्रयास करेंगे। पालिका प्रशासन और अस्पताल मिलकर बेहतर सेवाएं देने का प्रयास करें, यही हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि नगर क्षेत्र के सरकारी अस्पतालों में स्वच्छता और सेवा में कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अस्पताल प्रशासन की बरसों पुरानी मांग रही है कि अस्पताल के बाहर बने दो कूड़ा डलावघर को हटवाया जाये। हमने प्राथमिकता पर यह सुनिश्चित किया है। रुड़की रोड वाला कूड़ा डलावघर पालिका जल्द ही सेल्फी प्वाइंट के रूप में विकसित करने जा रही है। लद्दावाला की ओर बना डलावघर बंद कराया है, यहां कॉम्पेक्टर को हटवाकर वेंडिंग जोन बनाने का प्रस्ताव हाल ही में पालिका बोर्ड ने मंजूर किया है, जल्द से जल्द यह कार्य प्रारम्भ कराया जायेगा। सीएमएस डॉ. आभा ने अस्पताल के लिए जो आवश्यकता जताई है, वो भी हम पूर्ण करने का भरपूर प्रयास करेंगे।

दीपावली मिलन समारोह का आयोजन

मुजफ्फरनगर। आज 16 अक्टूबर को भारत विकास परिषद, मेन शाखा, मुज़फ्फरनगर द्वारा दीपावली मिलन समारोह का भव्य आयोजन बड़े हर्षोल्लास एवं पारिवारिक वातावरण में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं वंदे मातरम् से हुआ। परिषद के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा दीपों के पर्व को उल्लास, उमंग और एकता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के आरंभ में पंचदेव आराधना की गई अन्य रंगारंग कार्यक्रम में रामायण पर प्रश्नोत्तरी सरप्राइज गेम जैसे अनेक मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें सभी परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अन्य कार्यक्रम में राजीव त्रिखा ने गीत के माध्यम से महफिल में समा बांध दिया ।अनिल शर्मा ने दीपावली पर कविता सुनाई । तनीषा एवं काव्या की सुंदर नृत्य प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया ।छोटी सी बिटिया रितिका पांडे ने अपनी एक प्यारी सी कविता प्रस्तुत की।

सभी उपस्थित परिवारों को

विशेष 'दीपावली उपहार' प्रदान किए गए सरप्राइज गेम वंदना शर्मा एवं नवनीत गुप्ता द्वारा, अंताक्षरी कार्यक्रम सुनीता शाह द्वारा और रामायण पर प्रश्नोत्तरी डॉ अंजलि गर्ग द्वारा करवाई गई ।दीपोत्सव की इस कार्यक्रम की रूपरेखा बनाने का श्रेय शाखा के सचिव नवनीत गुप्ता एवं नीरज सिंघल को जाता है ।कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर अंजली गर्ग और नवनीत गुप्ता ने किया कार्यक्रम के अंत में सार्थक एनजीओ द्वारा के पी राठी जी ने सभी सदस्यों को चांदनी का पौधा वितरित कर पर्यावरण बचाने का संदेश दिया ।कार्यक्रम के संयोजक धीरज उपाध्याय केपी राठी नितिन गर्ग राजीव त्रिखा प्रीतिवर्धन शर्मा यशपाल अरोड़ा रहे कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों में मनोज शर्मा राहुल कुशवाहा दीपक गर्ग अरुण मित्तल सुखबीर सिंह मनोज राठी आशुतोष अग्रवाल पुरुषोत्तम अग्रवाल वीरेंद्र अग्रवाल विनोद अग्रवाल अशोक सिंघल (संरक्षक)हर्षवर्धन जैन (संरक्षक) बृजभूषण गुप्ता राजेंद्र सैनी नीरज गुप्ता डॉक्टर बी के आत्रे बृजमोहन शर्मा विनय गर्ग विपिन पवार राजकुमार गुप्ता अनिल शर्मा आदि उपस्थित रहे शाखा के अध्यक्ष संजय मिश्रा ने सभी का आभार प्रकट किया संरक्षक हर्षवर्धन जैन ने दीपावली के अवसर पर अपने आशीर्वचन से सभा को संबोधित करते हुए समाप्त किया। कार्यक्रम के उपरांत सभी उपस्थित जनों ने 'गरमागरम स्वादिष्ट भोजन' का आनंद लिया।

मंत्री नन्दी और पूर्व महापौर ने 344 परिवारों के 1490 बच्चों को कराई दीपावली की खरीदारी

सिटी कार्ट में बच्चों ने अपने पसन्द से की दीपावली की शापिंग

हर किसी के जीवन में खुशियां आए बस यही प्रयास है: नन्दी

बच्चों के चेहरे पर खुशी और मुस्कान देख कर खुशी मिलती है: अभिलाषा गुप्ता नन्दी

प्रयागराज। कहते हैं कि खुशियां बांटने से खुशियां बढ़ती हैं और खुशी देना ही खुशी पाने का आधार है। इस फलसफे को अपने जीवन में अपनाते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी पिछले कई वर्षों से अलग अंदाज में ही ष हर घर रोशनी, हर घर दीपावलीष अभियान के तहत दीपावली पर गरीब और जरूरतमंद परिवारों के बीच खुशियां बांटते चले आ रहे हैं। अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न दलित बस्तियों और झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले बच्चों के साथ दीपावली का त्यौहार मनाते चले आ रहे हैं। मंत्री नन्दी ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें पता है कि बमुश्किल दो वक्त की रोटी का जुगाड़ कर पाने वाले परिवार की दीपावली कैसी होती है। बच्चों की ख्वाहिशें कैसे पूरी होती है। क्योंकि मंत्री नन्दी ने इस जिंदगी को जिया है। बहुत करीब से देखा है। आज ईश्वर ने उन्हें सफल उद्यमी के साथ ही सफलतम राजनीतिज्ञ भले ही बना दिया है। लेकिन वे अपनी उस जिंदगी को आज तक भूले नहीं हैं। लोगों के जीवन में खुशियां बांटने का प्रयास करते हैं।

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मंत्री नन्दी ने अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न दलित बस्तियों और झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले बच्चों के साथ अलग अंदाज में दीपावली उत्सव का आयोजन किया। करीब 104 ई रिक्शा से प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के 344 परिवारों से 1490 बच्चे और उनके अभिभावक सिविल लाइंस सुभाष चौराहे पर पहुंचे। जहां मंत्री नन्दी और प्रयागराज की पूर्व महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने बच्चों का स्वागत किया। मंत्री नन्दी और पूर्व महापौर बच्चों के साथ ई रिक्शा पर सवार होकर सिटी कार्ट मॉल में पहुंचे। जहां पर मंत्री नन्दी और पूर्व महापौर ने बच्चों को उनकी पसंद के अनुसार खरीददारी कराई। बच्चों ने दीपावली के लिए कपड़े और जूते खरीदे। मंत्री नंदी और प्रयागराज की पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने खुद मॉल से कपड़े लेकर बच्चों को पसंद कराए और उनकी पसंद के अनुसार कपड़े निकलवाते रहे। बच्चों को इस बात की पूरी छूट दी गई थी कि उन्हें कपड़े खरीदने के लिए न तो बजट देखना है और न ही बिल। बस केवल अपने पसंद के अनुसार कपड़े पसंद करने हैं। बच्चों ने किया भी बिल्कुल ऐसा ही। अपने मनपसंद के कपड़े खरीदे। स्टोर में खरीददारी करवाई. जहां के कपड़े और अन्य सामान बच्चों को बहुत पसंद आए. अपने मन पसंद कपड़े और अन्य उपहार पाकर दलित बस्तियों के बच्चे चहक उठे. उनकी खुशी का तो कोई ठिकाना ही नहीं था।

मंत्री नन्दी ने कहा कि खुशियां बांटने के पर्व दीपावली पर गरीब परिवार के बच्चों के चेहरे पर खुशी और मुस्कान देख कर खुशी मिलती है। क्योंकि गरीब हो या अमीर हर किसी को त्यौहार मनाने का अधिकार है। हर किसी के जीवन में खुशियां छाएं, ऐसा हम सभी को प्रयास करना चाहिए। अगर ईश्वर ने हमें इस काबिल बनाया है कि हम किसी की मदद कर सकते हैं, उनके घरों में खुशियां ला सकते हैं तो हमें ऐसा जरूर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसी कोशिश के तहत हर साल गरीब परिवार के बच्चों के साथ दीपोत्सव का पर्व मनाते हैं और उनके चेहरे पर भी खुशियां लाने की कोशिश करते हैं।

प्रयागराज की पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने कहा कि दीपावली खुशियों और मिठास का त्यौहार है। बच्चों के साथ इस तरह से पर्व मनाना सुखद अहसास है। हम सभी को गरीब बच्चों को साथ लेकर खुशियों को साझा करना चाहिए।

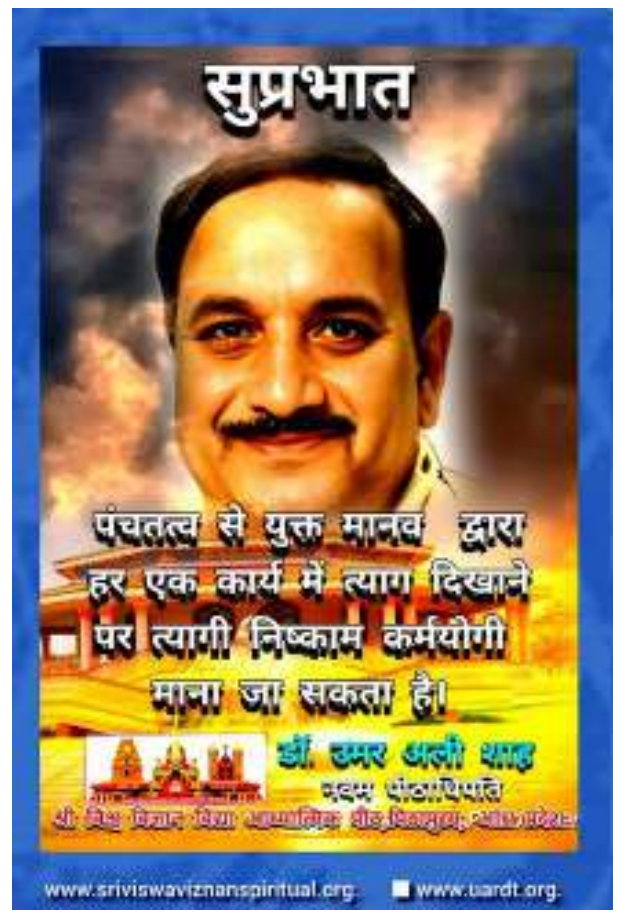

क्लेमाटिस के फूल

(कुण्डलिया)

क्लेमाटिस के फूल का, अद्भुत है लालित्य।
जिसे निहारें भोर में, देव सहित आदित्य।
देव सहित आदित्य, कथा पौराणिक कहती।
रंग भरे अनमोल, लुभावन सबको लगती।
सुन लो कहें प्रदीप, फूल हैं जिसके क्लासिक।
कहते हैं सब प्रेम से, वही मेरा क्लेमाटिस।।

बारहमासी बेल है, 'क्लेमाटिसश है नाम।
कलियाँ जिसकी फूल बन, देती हैं पैगाम।
देती हैं पैगाम, बनो गुलशन की खुशियाँ।
आएँगी फिर पास, तितलियाँ बनकर गुइयाँ।
सुन लो कहे प्रदीप, दवा बनकर यह देशी।
रखती सदा ख़याल, फूल बन बारहमासी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

पी.आर.पब्लिक स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों ने श्री राम पॉलिटेक्निक विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया

मुजफ्फरनगर। पचेंडा रोड स्थित पी.आर.पब्लिक स्कूल के कक्षा 11 के छात्र–छात्राओं ने श्रीराम पॉलिटेक्निक, रुड़की रोड, मुजफ्फरनगर एवं इंजीनियर क्लब केंद्र शाखा मुजफ्फरनगर के सौजन्य से पूर्व राष्ट्रपति तथा महान वैज्ञानिक ए.पी.जे अब्दुल कलाम जी के जन्म दिवस के अवसर पर आयोजित विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं इंजीनियरिंग विषय मॉडल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते हुए प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। इस विज्ञान प्रदर्शनी में जिला मुजफ्फरनगर के 45 स्कूल और 29 महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यालय के कक्षा 11 के छात्र अमित कुमार और ओम प्रताप द्वारा बोलने में असमर्थ लोगों को ध्यान में रखते हुए स्मार्ट ए आई रोबोट बनाया गया। इस रोबोट को किसी भी व्यक्ति के फोन से जोड़कर फोन पर टाइप किए गए किसी भी मैसेज को रोबोट द्वारा बोलकर दूसरे व्यक्ति तक भेजा जा सकता है। इसके साथ–साथ अत्यधिक दुर्गंध,सुगंध, धुआ और कोहरे वाले स्थान पर अलार्म के माध्यम से किसी भी अप्रिय दुर्घटना को रोकने में मददगार साबित होगा। कक्षा 11 की ही छात्राओं कनिका शर्मा, वर्तिका भारद्वाज, स्नेहा बहरा द्वारा स्मार्ट

इलेक्ट्रिक पोल कंट्रोलिंग सिस्टम को प्रदर्शित किया गया जो बारिश के मौसम में सड़क पर करंट के कारण होने वाली दुर्घटनाओं के लिए अलर्ट करता है। विद्यालय की विज्ञान संकाय की शिक्षिका आंचल गुप्ता के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने इन विज्ञान मॉडलों को बनाया तथा प्रतियोगिता में बहुत ही अच्छे तरीके से अपने बनाए इन मॉडलों के बारे में जानकारी दी। विजेता छात्र–छात्राओं को श्रीराम ग्रुप के फाउंडर श्री एस पी कुलश्रेष्ठ, प्रधानाचार्य श्री राम पॉलिटेक्निक, मुजफ्फरनगर डॉक्टर अश्वनी कुमार तथा उपस्थित अन्य गण मान्य व्यक्तियों द्वारा पुरस्कृत कर उनके इस कार्य की सराहना की गयी। स्कूल प्रधानाचार्य अनघ सिंघल जी ने सभी विजेता छात्र–छात्रा को प्रोत्साहित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह हम सभी के लिए बड़े ही गर्व की बात है ।विज्ञान प्रदर्शनी में प्रोजेक्ट प्रस्तुत करने के लिए छात्रों को अपने विचारों और निष्कर्षों को दर्शकों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाना ज़रूरी होता है। इससे कम उम्र से ही उनके सार्वजनिक भाषण, प्रस्तुति और पारस्परिक कौशल में सुधार होता है। स्कूल प्रबंधक अशोक सिंघल जी ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा– छात्रों द्वारा किए गए किसी प्रोजेक्ट का सफलतापूर्वक प्रदर्शन उनमें उपलब्धि की भावना पैदा करता है और उनका आत्मविश्वास बढ़ाता है। यह उन्हें और अधिक चुनौतीपूर्ण कार्य करने और विज्ञान में और अधिक अन्वेषण करने के लिए प्रोत्साहित करता है। मैं आशा करता हूं कि हमारे विद्यालय प्रांगण से भविष्य में और भी मेधावी छात्र–छात्रा आगे बढ़कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर विद्यालय, अपने माता–पिता तथा शिक्षकों का नाम रोशन करेंगे।

सम्पादकीय.....

विकास दर की लय

जिस अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ पर पश्चिमी शक्तियों के मंसूबों के अनुरूप सुर में सुर मिलाने का आक्षेप लगता रहा है, यदि वह अब भारत की विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर दर्शाए तो इसे हम अपनी आर्थिकी की ताकत के रूप में देख सकते हैं। उल्लेखनीय है कि आईएमएफ ने वर्ष 2025–26 के लिये भारत की विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.6 कर दिया है। इस नवीनतम अपडेट से दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में देश की स्थिति और मजबूत हुई है। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यह संशोधन लचीली घरेलू खपत, मजबूत सेवा निर्यात और स्थिर सार्वजनिक निवेश के दृष्टिगत किया है। यह सुखद ही कहा जाएगा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के मनमाने और भारी–भरकम टैरिफ का कोई बड़ा नकारात्मक प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर दृष्टिगोचर नहीं होता है। लेकिन इस आशावाद के बावजूद हमें अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य की वास्तविकता का भी ध्यान रखना चाहिए। जिसके मूल में तमाम व्यापारिक व्यवधान, अमेरिकी टैरिफ वृद्धि और सख्त वित्तीय स्थितियों जैसे घटक भी शामिल हो सकते हैं। जो प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से कहीं न कहीं भारत की आर्थिक गति को प्रभावित कर सकते हैं। निर्विवाद रूप से भारत की अर्थव्यवस्था में आईएमएफ का भरोसा, मजबूत भारतीय घरेलू बाजार, राजकोषीय अनुशासन और औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि के उद्देश्य से किए गए सुधारात्मक उपायों के चलते जगा है। वहीं दूसरी ओर बुनियादी ढांचे पर खर्च, डिजिटल परिवर्तन को प्रोत्साहन और बेहतर कर संग्रह ने व्यापक आर्थिक बुनियादी ढांचे को मजबूत ही किया है। हालांकि निर्यात, विशेष रूप से विनिर्माण क्षेत्र, संरक्षणवादी नीतियों और कमजोर वैश्विक मांग के प्रति संवेदनशील बना हुआ है। वहीं दूसरी ओर चीन की मंदी और पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं द्वारा आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्संतुलन के साथ, भारत के सामने चुनौती और अवसर दोनों ही मौजूद हैं। ऐसे में भारत के लिए जरूरी है कि वह वैश्विक व्यापार में संतुलन बनाते हुए आत्मनिर्भरता की राह में कदम आगे बढ़ाए। इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि केंद्र सरकार ने अर्थव्यवस्था की मौजूदा चुनौती को महसूस करते हुए 'मेक इन इंडिया' की मुहिम को जन–जन तक पहुंचाने का प्रयास एक आंदोलन के रूप में किया है। दरअसल, केंद्र सरकार द्वारा 'मेक इन इंडिया' अभियान के तहत विनिर्माण पर खासा जोर दिया जा रहा है। इसमें केंद्र सरकार की प्राथमिकता इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण, सेमीकंडक्टर और हरित प्रौद्योगिकियों के लिये लक्षित प्रोत्साहनों को बढ़ावा देना है। निस्संदेह ये प्रयास कालांतर देश के औद्योगिक आधार को व्यापक रूप से मजबूत बनाने में मददगार साबित हो सकते हैं। लेकिन सरकार को इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि हम अल्पकालिक लक्ष्यों के बजाय दीर्घकालीन जरूरतों को अपनी प्राथमिकता बनाएं। इसके लिये जरूरी है कि श्रम बाजार, भूमि अधिग्रहण में सुधार और व्यापार में कामकाज को आसानी को बढ़ावा दें। निस्संदेह, इन क्षेत्रों में गहन संरचनात्मक सुधारों की सख्त आवश्यकता होगी। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार की प्राथमिकता मुद्रास्फीति पर नियंत्रण की भी होनी चाहिए। महंगाई के बढ़ने से लोगों की क्रय शक्ति प्रभावित होती है, जिससे मांग व पूर्ति का संतुलन बिगड़ता है। वहीं दूसरी ओर कृषि उत्पादकता और रोजगार सृजन को भी नीतिगत एजेंडे के केंद्र में रखना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि आज भारत की आर्थिक सफलता की कहानी हमारे सतर्क आत्मविश्वास की परिणति है। देश की घरेलू अर्थव्यवस्था के लचीलेपन ने इसे कई बाहरी झटकों से बचाया है। लेकिन वहीं दूसरी ओर हमारी आत्मसंतुष्टि इस लाभ को कम सकती है। इसके अलावा दीर्घकालिक स्थिरता के लिये, भारत सरकार को राजकोषीय विवेक बनाए रखना होगा। वहीं दूसरी तरफ मानव पूंजी, उत्पादकता और नवाचार में निवेश को बढ़ाना होगा। निस्संदेह, हमारा विकास तभी सार्थक होगा जब वह समावेशी हो। वह देश के लाखों गरीब लोगों को ऊपर उठाने में सक्षम हो, न कि केवल सिर्फ सांख्यिकीय संकेतकों को बढ़ावा देने वाला हो। हमारी आर्थिक यात्रा में निरंतर स्थिरता बनी रहे, इसके लिये देश को आर्थिक सुधार की राह चुननी होगी ।

इलेक्टोरल बॉन्ड्स: भाजपा बेनकाब

डॉ. दीपक पाचपोर

केंद्र को अब पारदर्शी चुनावी फंडिंग प्रणाली पर काम करना चाहिएसर्वोच्च न्यायालय को बधाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ

सामान्य पटाखे बनाम ग्रीन पटाखे

बारिश खत्म होते ही, ठंड की हल्की दस्तक के साथ प्रदूषण का अनचाहा आगमन भी हो चुका है। साल दर साल बीतते जा रहे हैं और प्रदूषण की समस्या से निजात ही नहीं मिल रहा है, क्योंकि इसकी जड़ों तक जाने की कोशिश ही नहीं हो रही है। केवल ऊपरी तौर पर नियम बनाकर प्रदूषण जैसी गंभीर और जटिल समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता, ये बात नीति नियंता भी अच्छे से जानते हैं। मगर शायद प्रदूषण दूर करना उनके लिए जीने–मरने का सवाल कभी रहा ही नहीं। उन्हें वातानुकूलित दफ्तरों में बैठकर काम करना है, तमाम सुविधा–संपन्न घरों में रहना है, छुट्टियों पर प्रदूषण रहित पर्यटक स्थलों पर वे जाते हैं और अगर बीमार पड़ें तो सात सितारा अस्पतालों में महंगा इलाज उनके लिए उपलब्ध है। लेकिन आम आदमी प्रदूषण की मार बारह महीने झेलता है, फिर भी समझ नहीं पाता कि उसे खुश करके आखिर में उसे ही धीरे–धीरे मारने का इंतजाम किया जा रहा है। दीपावली से पहले सुप्रीम कोर्ट ने हरित पटाखों की बिक्री और उपयोग की जो इजाजत दी है, वो इसी धीमी मौत का एक और उदाहरण है। सुप्रीम कोर्ट को कम नुकसानदायक पटाखों को जलाने की मंजूरी इसलिए देनी पड़ी क्योंकि दीपावली अब रोशनी, रंगों और मिठास से ज्यादा उस हिंदुत्व का त्योहार बन चुका है, जिसे अपने प्रचार के लिए कानफोडू शोर की जरूरत पड़ती है।

न जाने किस तरह बहुतेरे हिंदुओं के दिमाग में यह बात भर दी गई कि दीपावली पर पटाखे जलाने से रोकना धर्म का अपमान है। कहने की आवश्यकता नहीं कि भाजपा का इस मुहिम में बड़ा योगदान रहा। प्रधानमंत्री मोदी दुनिया को पर्यावरण संरक्षण का ज्ञान बांटते हैं, लेकिन अपनी पार्टी के लोगों और समर्थकों को यह नहीं समझा सकते कि धर्म की राजनीति चलती रहेगी, कम से कम त्योहार को इसमें बख्श दें। अगर आज मोदी लोगों से अपील करें कि वे पटाखे न जलाएं, दीए, कंदील जलाकर, रंगोली सजाकर दीवाली मना लें, तो उनके अनुयायी खुशी–खुशी इस बात को मानेंगे। जब बालकनी में आकर थाली पीट सकते हैं, तो ये काम भी कर ही सकते हैं। मगर मोदी को भी ये डर है कि हिंदुत्व के नाम पर जिन लोगों को पूरी तरह गुमराह किया जा चुका है, वे इस बात को गलत तरीके से ले कर अपनी नाराजगी मोदी पर ही उतार सकते हैं। इसलिए भाजपा में अब पटाखों की नहीं, ग्रीन यानी हरित पटाखों की बात होती है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सुप्रीम कोर्ट का आभार माना है कि उसने इन पटाखों के लिए मंजूरी दी। शीर्ष अदालत ने सिर्फ नीरी (नेशनल एनवायरनमेंटल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट) द्वारा प्रमाणित ग्रीन पटाखों की बिक्री और इस्तेमाल की अनुमति दी है। जो केवल 18 से 21 अक्टूबर तक के लिए दी गई है।

अदालत ने साफ किया कि इस अवधि के बाद किसी भी प्रकार के पटाखों की बिक्री या इस्तेमाल पर प्रतिबंध जारी रहेगा। अगर कोई विक्रेता या निर्माता इस आदेश का उल्लंघन करता पाया गया, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश भी दिया गया है कि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मिलकर विशेष निगरानी दल गठित करें। इन टीमों का काम यह सुनिश्चित करना होगा कि सिर्फ प्रमाणित ग्रीन पटाखों का ही निर्माण, बिक्री और उपयोग हो रहा है। अदालत ने पर्यावरणीय प्रदूषण को नियंत्रण में रखने के लिए पटाखे फोड़ने की समय सीमा सुबह 6 बजे से 8 बजे तक और शाम 8 बजे से 10 बजे तक तय की है। इन समय सीमाओं के बाहर किसी भी प्रकार के पटाखे फोड़ना प्रतिबंधित रहेगा। यह पूरा आदेश सुनने में प्रभावशाली लगता है, लेकिन जमीन पर इसका असर शून्य बराबर होने की संभावना है। क्योंकि अभी से दिल्ली–एनसीआर में जमकर पटाखे फोड़े जा रहे हैं। अवैध तरीकों से बिक्री होने की खबरें हैं और प्रदूषण भी खतरनाक स्तर तक बढ़ चुका है। पिछले साल भी ऐसा ही आलम था और लगातार कई सालों से यही होता आया है। इसलिए ग्रीन पटाखे दिल को खुश रखने के ख्याल से ज्यादा और कुछ मायने नहीं रखते। अघोषित तौर पर सब इस बात को जानते हैं कि ग्रीन पटाखों का लेबल लगाकर पारंपरिक पटाखे ही बेचे जाते हैं। क्योंकि लागत में ये सस्ते पड़ते हैं। विशेष निगरानी दल बनाने से भी कुछ नहीं होगा, क्योंकि दीपावली के सामान से अटे पड़े बाजार में अब इस बात की जांच बेहद मुश्किल होगी कि कौन से सही में ग्रीन पटाखे हैं और कौन से नहीं। बल्कि इस जांच के नाम पर अवैध कमाई का एक और रास्ता खुल जाए तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

साल 2018 में भी सुप्रीम कोर्ट ने पारंपरिक पटाखों पर रोक लगाकर केवल ग्रीन पटाखों को अनुमति दी थी। तभी से बाजार में इस किस्म के पटाखे बिक रहे हैं। लेकिन बताया जाता है कि ग्रीन पटाखों के नाम पर सामान्य पटाखों की बिक्री ही धड़ल्ले से होती है। जानकारी के लिए बता दें कि सामान्य पटाखों में बैरियम नाइट्रेट, सल्फर, एल्युमिनियम और पोटैशियम नाइट्रेट जैसे रसायन होते हैं जो जलने पर जहरीली गैसें छोड़ते हैं। ग्रीन पटाखों में इन्हीं रसायनों की मात्रा कम रखी जाती है या कुछ जगह उनके स्थान पर कम हानिकारक यौगिकों का इस्तेमाल किया जाता है।

प्रदूषण बड़ी मानवीय आपदा

संजीव ठाकुर

लीजिए फिर से शीतकाल आ गया और इस समय सभी महानगरों समेत मध्य क्रम के बड़े शहरों में भी पर्यावरण प्रदूषण अपने चरम पर होता है। बच्चे तथा बूढ़े इसके सर्वाधिक शिकार होते हैं और पर्यावरण प्रदूषण के कारण हर वर्ष हजारों लोगों की मृत्यु हो जाती है। यह क्रम हर वर्ष का है लेकिन ना तो आम जनता इसमें सावधानी बरतनी है और ना ही शासन प्रशासन, यह प्रक्रिया लगातार बदस्तूर जारी रहती है। आइये इसकी वर्तमान स्थिति और पर्यावरण प्रदूषण से बचने के उपायों पर चर्चा करने का प्रयास करते हैं। वर्तमान समय में पर्यावरण और वायु प्रदूषण का संकट भारत जैसे विकासशील देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती के रूप में खड़ा है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई, अहमदाबाद और हैदराबाद जैसे महानगर आज साँस लेने के लिए भी संघर्ष कर रहे हैं। प्रदूषित हवा में नागरिकों की दिनचर्या घुटती जा रही है। दिल्ली, जो विश्व के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में गिनी जाती है, वहाँ च्ड2.5 का औसत स्तर 100 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से ऊपर दर्ज किया गया है कृ जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन की सीमा केवल 5 माइक्रोग्राम है। भारत में वायु प्रदूषण के कारण प्रतिवर्ष लगभग 15 लाख लोगों की मृत्यु होती है, जो किसी मौन महामारी से कम नहीं। राजधानी दिल्ली की वायु में अब वह ठंडक नहीं रही जो कभी यमुना किनारे के पेड़ों की छाँव में महसूस होती थी। हवा में घुला धुआँ और धूल अब बच्चे के खेलते फेफड़ों तक पहुँच चुका है। शहरी नागरिक अस्थमा, एलर्जी, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों के कैंसर जैसी बीमारियों से जूझ रहे हैं। दिल्ली में अकेले 12 हजार से अधिक मौतें हर वर्ष वायु प्रदूषण से जुड़ी पाई गई हैं। यही नहीं, मुंबई और कोलकाता जैसे शहरों में भी प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। बेंगलुरु और हैदराबाद, जो कभी "हरित नगर" कहे जाते थे, अब यातायात और औद्योगिक विस्तार की वजह से धुएँ के बादलों में ढके रहते हैं। यह विडंबना है कि हमारे देश में पर्यावरण और राजनीति अब एक–दूसरे के विरोधी शब्द बन गए हैं। दिल्ली में प्रदूषण पर चर्चा संसद से लेकर सड़कों तक होती है, पर समाधान हाथ नहीं आता। केंद्र और राज्य सरकारें आरोप–प्रत्यारोप में उलझी हैं, जबकि हवा हर दल के मतदाताओं के फेफड़ों में समान रूप से प्रवेश कर रही है। यही स्थिति वैश्विक स्तर पर भी है कृ जहाँ जलवायु परिवर्तन को लेकर सैकड़ों घोषणाएँ होती हैं, पर धरातल पर वनीकरण और स्वच्छ ऊर्जा की गति बेहद धीमी है। आर्थिक विकास के नाम पर मनुष्य ने प्रकृति से जितना लिया, लौटाया बहुत कम। उद्योग, खनन, नदी बाँध और शहरीकरण ने धरती के संतुलन को तोड़ा। पर्वतों को काटा गया, नदियों को बाँधा गया, जंगलों को उजाड़ा गया कृ और अब वही प्रकृति अपने मौन प्रतिशोध में जलवायु परिवर्तन के रूप में खड़ी है। ग्लोबल वार्मिंग से ग्लेशियर पिघल रहे हैं, समुद्री जल–स्तर बढ़ रहा है, तूफानों की तीव्रता बढ़ती जा रही है। यह सब संकेत हैं कि प्रकृति अब "सहने" की सीमा पार कर चुकी है। फिर भी, विकास आवश्यक है पर ऐसा विकास जो टिकाऊ हो, जो जीवन से समझौता न करे। भारत ने "नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम जैसी योजनाएँ शुरू की हैं जिनका लक्ष्य 2026 तक वायु प्रदूषण को 30ः तक घटाना है। यह सराहनीय पहल है, किंतु इसका असर तभी होगा जब नागरिक स्तर पर भागीदारी बढ़े। पर्यावरण संरक्षण को केवल सरकारी जिम्मेदारी मानना भ्रम है। जब तक हर नागरिक अपने घर, वाहन और जीवनशैली को पर्यावरण अनुकूल नहीं बनाता, तब तक हवा का शुद्ध होना असंभव है। हमें अपनी विकास नीति को 'हरित तकनीक' के साथ जोड़ना होगा कृ जैसे ग्रीन एनर्जी, सौर एवं पवन ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन, ग्रीन बिल्डिंग, और कार्बन न्यूट्रल उद्योग। यूरोपीय देशों ने यह दिखाया है कि आर्थिक प्रगति और पर्यावरण संरक्षण एक साथ चल सकते हैं। वहाँ की नीतियाँ कार्बन टैक्स, नवीकरणीय ऊर्जा और जनशिक्षा पर आधारित हैं। भारत के लिए भी यही राह अपनाना अनिवार्य है। साथ ही, ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान से जोड़ना होगा। यही वह संतुलन है जिससे हम विकास के साथ प्रकृति की गरिमा भी बचा सकते हैं। विकास परियोजनाओं के पूर्व केवल पर्यावरणीय प्रभाव आकलन ही नहीं, बल्कि सामाजिक प्रभाव आकलन को भी अनिवार्य बनाया जाना चाहिए ताकि किसी की भूमि, जीवन या संस्कृति की हानि विकास का मूल्य न बने। आर्थिक और पर्यावरणीय असंतुलन का सबसे बड़ा दुष्परिणाम सामाजिक विभाजन के रूप में सामने आता है। एक ओर महानगरों के लोग सुविधाओं से भरे हैं, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण समुदाय अपनी भूमि, जंगल और नदियों से वंचित होकर विस्थापन झेल रहे हैं। यह विकास नहीं, असमानता का विस्तार है। हमें ऐसा मॉडल चाहिए जिसमें किसी की प्रगति किसी और की हानि पर आधारित न हो।महात्मा गांधी ने कहा था "प्रकृति हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिए है, हमारी लालच को नहीं।" आज यह वाक्य एक चेतावनी बन चुका है। यदि हम इस चेतावनी को अनसुना करते रहे, तो आर्थिक विकास की पूरी इमारत उसी प्रकृति की राख में समा जाएगी जिसे हमने नींव में रखा था। इसलिए हमें विकास को नैतिकता और संवेदनशीलता से जोड़ना होगा। मानवता का वास्तविक उत्थान तभी होगा जब हम यह समझेंगे कि अर्थशास्त्र और पारिस्थितिकी विरोधी नहीं, बल्कि परस्पर सहयोगी हैं। आर्थिक समृद्धि तभी स्थायी है जब पर्यावरण स्वच्छ, जल स्रोत निर्मल और हवा जीवनदायिनी हो। यही संतुलन हमारी सभ्यता की स्थायित्व रेखा है। विकास की दौड़ में हमें यह याद रखना होगा कि प्रकृति से आगे निकलकर मनुष्य ने कभी जीत नहीं पाई कृ उसकी सबसे बड़ी जीत तो वही है जब वह प्रकृति के साथ चलना सीख ले। अतः आज का युग केवल तकनीक या उपभोक्तावाद का नहीं, बल्कि चेतना और जिम्मेदारी का युग होना चाहिए। यह वही क्षण है जब हमें तय करना होगा कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसी हवा, कैसी धरती और कैसी नदियाँ छोड़ना चाहते हैं। यदि हमने सही दिशा चुनी, तो आर्थिक विकास और पर्यावरण संतुलन एक ही जीवनधारा के दो तट बन सकते हैं कृ और उनके बीच प्रवाहित होगी वह निर्मल चेतना, जिसमें जीवन और विकास दोनों साथ साँस ले सकेंगे।

भाजपा दलित–जाटव मतदाताओं को लुभाने के लिए उत्तर प्रदेश भर में चौपाल आयोजित करेगी

प्रशांत श्रीवास्तव

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती की प्रशंसा से उत्साहित, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दलित मतदाताओं, खासकर जाटवों को लुभाने के लिए उत्तर प्रदेश के सभी गैर–आरक्षित विधानसभा क्षेत्रों में चौपाल (पारंपरिक ग्राम सभाएँ) आयोजित करने की योजना बनाई है। पूर्वी उत्तर प्रदेश से शुरुआत करते हुए, भाजपा अपना ध्यान पश्चिमी क्षेत्र पर केंद्रित करने की योजना बना रही है, जहाँ जाटव एक महत्वपूर्ण मतदाता आधार हैं। दिप्रिंट को मिली जानकारी के अनुसार, भाजपा पीडीए (पिछड़े (पिछड़े वर्ग), दलित और अल्पसंख्यक के कथानक का मुकाबला करना चाहती है और दलित मतदाताओं के बीच समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस को निशाना बनाने के लिए इसका पूरा नाम परिवार विकास प्राधिकरणष प्रस्तुत कर रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि इस योजना का उद्देश्य यह उजागर करना है कि मायावती, जो राज्य की सबसे प्रमुख दलित नेता हैं, भी भाजपा सरकार द्वारा किए गए कार्यों को स्वीकार करती हैं और उनकी सराहना करती हैं। भाजपा की यह योजना तब बनी जब मायावती ने पिछले हफ्ते लखनऊ में बसपा संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि पर एक विशाल रैली में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की प्रशंसा की थी। बसपा के कई नेता, जिनसे दिप्रिंट ने बात की, अपनी पार्टी प्रमुख द्वारा भाजपा की प्रशंसा को लेकर सतर्क रहे। उन्हें आशंका है कि इससे मुसलमान बसपा से और दूर हो सकते हैं और सत्तारूढ़ पार्टी को उनके जाटव वोट बैंक में सेंध लगाने में भी मदद मिल सकती है। 2022 के विधानसभा चुनावों में, बसपा अपना दल (एस), निषाद पार्टी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और राष्ट्रीय लोक दल जैसी छोटी पार्टियों से पिछड़ गई। यह केवल 12.9 प्रतिशत वोट हासिल करने में सफल रही, जो 1993 के बाद से इसका सबसे कमजोर प्रदर्शन था। 2024 के लोकसभा चुनावों में, मायावती के नेतृत्व वाली पार्टी अपना खाता खोलने में विफल रही, और केवल 9.86 प्रतिशत वोट ही हासिल कर पाई। बसपा के वोटशेयर में गिरावट का मुख्य कारण पार्टी का अपने दलित वोटबैंक का एक हिस्सा, खासकर गैर–जाटव, समाजवादी पार्टी (सपा) और भाजपा के हाथों खोना है। उत्तर प्रदेश भाजपा की अनुसूचित जाति शाखा के प्रमुख राम चंद्र कन्नौजिया के अनुसार, सत्तारूढ़ दल ने दलितों के बीच भाजपा के बारे में मायावती के सकारात्मक संदेश को आगे बढ़ाने के लिए अनुसूचित जाति मोर्चा की निर्वाचन क्षेत्रवार श्चौपालोंश की योजना बनाई है। उन्होंने दिप्रिंट को बताया, ष्मैं दलित चौपाल बैठक के लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले के रॉबर्ट्सगंज का दौरा कर रहा हूँ। हमने शुरुआत में 317 गैर–आरक्षित सीटों को चुना है, क्योंकि आरक्षित सीटों के लिए एक अलग योजना है। गैर–आरक्षित सीटों पर दलितों का समर्थन हासिल करना हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।ष कन्नौजिया ने आगे बताया कि पार्टी ने 1,918 संगठनात्मक मंडलों में से प्रत्येक के लिए 60 कार्यकर्ताओं की सूची भी तैयार की है। उन्होंने कहा कि दलित स्वयंसेवकों की यह टीम भाजपा को दलित समुदायों में कथित तौर पर जड़ें जमा चुकी ष्गलतफहमियोंष का मुकाबला करने में मदद करेगी। कन्नौजिया ने कहा, बसपा प्रमुख की टिप्पणी हमारे लिए संजीवनी बनकर आई है। अब हम यह संदेश दलितों, खासकर जाटवों के बीच फैलाएँगे, जो परंपरागत रूप से हमारे मुख्य मतदाता नहीं रहे हैं। मायावती के संबोधन के बाद, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने श्ग्श पर उन पर तंज कसा था। उन्होंने भाजपा और बसपा के बीच कथित समझौते का जिक्र करते हुए पोस्ट किया, उनकी अंधीरी साठगांठ जारी है, इसलिए वे उत्पीड़कों के आभारी हैं। लखनऊ के गिरि इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज में पढ़ाने वाली राजनीतिक विश्लेषक शिल्प शिखा सिंह ने दिप्रिंट को बताया, ष्लखनऊ रैली बसपा प्रमुख के लिए अपनी पार्टी को भाजपा के मुख्य विकल्प के रूप में पेश करने का एक सुनहरा अवसर था, लेकिन वह किसी तरह चूक गईं। हालांकि रैली में भारी भीड़ जुटी, फिर भी बसपा को अल्पसंख्यकों और अति पिछड़े वर्गों तक अपनी पहुँच बढ़ाने की जरूरत है। सत्तारूढ़ सरकार की प्रशंसा करने से उसकी सोशल इंजीनियरिंग रणनीति में मदद नहीं मिल सकती, इसलिए पार्टी को एक नई योजना बनानी होगी। मायावती द्वारा योगी आदित्यनाथ सरकार की प्रशंसा से बसपा के कुछ वर्गों में भी बेचैनी पैदा हो गई है। हालाँकि किसी भी नेता ने उनकी टिप्पणी की खुलकर आलोचना नहीं की है, लेकिन पार्टी के भीतर कई लोग रैली के माध्यम से दिए गए संदेश को लेकर अनिश्चित हैं। इतनी बड़ी रैली आयोजित करके हमने सभी जरूरी काम पूरे कर लिए, लेकिन अल्पसंख्यकों का विश्वास जीतना अभी बाकी है। हमारे नेता द्वारा भाजपा सरकार की तारीफ शायद उन्हें रास न आए। समाजवादी पार्टी की आलोचना स्वीकार्य है, लेकिन योगी सरकार की तारीफ जरूरी नहीं थी, एक वरिष्ठ बसपा नेता ने दिप्रिंट को बताया। हालांकि, कुछ नेताओं का मानना है कि समाजवादी पार्टी पर हमला दलित और ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) मतदाताओं को अपने प्रतिद्वंद्वी से दूर करने की एक रणनीतिक चाल थी, जिससे बसपा एक मजबूत विकल्प के रूप में स्थापित हो सके। उनका यह भी तर्क है कि मायावती की तारीफ दलित नायकों को समर्पित पार्कों और स्मारकों के रखरखाव के भाजपा के प्रयासों तक ही सीमित थी। राजनीतिक विश्लेषक प्रो. पंकज कुमार इस तर्क से सहमत थे और उन्होंने बताया कि तारीफ सिर्फ योगी तक सीमित थी, पूरी भाजपा तक नहीं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के संकाय सदस्य कुमार ने दिप्रिंट को बताया, उनकी सराहना खास तौर पर दलित प्रतीकों को समर्पित पार्कों और स्मारकों के अच्छे रखरखाव के लिए थी, न कि कानून–व्यवस्था जैसे मुद्दों के लिए। इसलिए, इसकी व्याख्या उस तरह से नहीं की जानी चाहिए जिस तरह से सपा और कांग्रेस इसे पेश कर रही हैं। मायावती एक अनुभवी नेता हैं, जैसे–जैसे चुनाव नजदीक आएंगे, वह सरकार पर भी निशाना साधेंगी। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक मतदाता आमतौर पर उसी का समर्थन करते हैं जो भाजपा के खिलाफ सबसे मजबूत दिखता है। इसलिए, अगर बसपा दलितों को एकजुट करने और अति पिछड़े व ब्राह्मणों को अपने पाले में लाने में कामयाब हो जाती है, तो अल्पसंख्यक उनका (मायावती) समर्थन करने पर विचार कर सकते हैं। फिलहाल, भविष्यवाणी करना जल्दबाजी होगी, लेकिन राज्य में पार्टी के चौथे स्थान पर रहने के बावजूद उन्होंने निश्चित रूप से एक जबरदस्त प्रदर्शन किया है।

'सुपर डांसर चैप्टर 5' विजेता आध्याश्री उपाध्याय ने जुबीन गर्ग को समर्पित की ट्रॉफी, दिल छू लेने वाली कहानी वायरल

> आध्याश्री उपाध्याय और सुकृति पॉल को इस रियलिटी शो का संयुक्त विजेता घोषित किया गया। दोनों विजेताओं को ग्रैंड ट्रॉफी, १० लाख रुपये की पुरस्कार राशि और शो के प्रायोजकों की ओर से विशेष उपहार मिले।

सोनी टीवी के 'सुपर डांसर चौप्टर 5' की विजेता असम के धेमाजी की आठ वर्षीय नृत्यांगना आध्याश्री उपाध्याय ने हाल ही में दिवंगत संगीत आइकन जुबीन गर्ग के पिता से मुलाकात की और उन्हें अपनी ट्रॉफी समर्पित की। यह मुलाकात युवा कलाकार के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण था, जो गर्ग के अपने प्रशंसकों और असम के कलात्मक समुदाय पर अमिट छाप को दर्शाता है। आध्याश्री उपाध्याय और सुकृति पॉल को इस रियलिटी शो का संयुक्त विजेता घोषित किया गया। दोनों विजेताओं को ग्रैंड ट्रॉफी, 10 लाख रुपये की पुरस्कार राशि और शो के प्रायोजकों की ओर से विशेष उपहार मिले। जश्न के दौरान, आध्याश्री ने स्पष्ट किया कि उनकी जीत गर्ग को समर्पित है, जिनका हाल ही में एक दुखद दुर्घटना में निधन हो गया था, जिससे देश भर के प्रशंसक प्रभावित हुए थे। आध्याश्री और जुबीन गर्ग के पिता के बीच यह मुलाकात भावुक रही, जिसमें दिवंगत गायिका के प्रति उनके स्नेह और सम्मान को दर्शाया गया। असम की रहने वाली आध्याश्री ने बताया कि श्जुबीन मामाश ने पहले ही कह दिया था कि वह शो ज़रूर जीतेगी। अपनी इस मुलाक़ात के दौरान, आध्याश्री ने अपनी भावनाएँ व्यक्त करते हुए कहा कि हाल ही में ट्रॉफी जीतने के बाद उन्हें अपने जुबीन मामा की याद आ गई। नवभारत टाइम्स से बातचीत में उन्होंने आगे कहा, जुबीन अंकल हमारे असम का गौरव हैं। मेरे शो के लिए मुंबई आने से पहले, उन्होंने मुझसे कहा था कि मैं जीतूँगी। उन्होंने लोगों से जो भी कहा है, कि तुम जीतोगे या बहुत बड़े बनोगे, वह हमेशा सच हुआ है। इसलिए, जब उन्होंने मुझसे कहा कि मैं जीतूँगी और जीतने के बाद मुझे उन्हें ट्रॉफी दिखानी चाहिए, तो मुझे तुरंत यकीन हो गया कि मैं जीतूँगी, क्योंकि जुबिन अंकल जो भी कहते हैं, वह हमेशा सच होता है। सुपर डांसर 5 का ग्रैंड फ़िनाले ऊर्जा, भावनाओं और अविस्मरणीय पलों से भरपूर रात साबित हुआ। विजेता की ट्रॉफी घर ले जाने की उम्मीद में हर प्रतियोगी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिया, लेकिन आध्याश्री उपाध्याय और सुकृति पॉल ने अपने शानदार अभिनय से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। गर्ग से किए अपने वादे के बारे में बताते हुए, आध्याश्री ने कहा, मैंने उनसे वादा किया था कि मैं उन्हें ट्रॉफी ज़रूर दिखाऊँगी, इसलिए जब मुझे पता चला कि जुबिन अंकल अब हमारे बीच नहीं रहे, तो मैं बहुत दुखी हुई। मैं बहुत रोई, लेकिन शो की वजह से मैं उस समय उन्हें अंतिम विदाई देने नहीं जा सकी। हालाँकि, विजेता बनने के बाद, मैंने अपने माता–पिता से कहा कि मुंबई से निकलने के बाद, मैं सबसे पहले सोनापुर, गुवाहाटी जाऊँगी, जहाँ उन्हें श्रद्धांजलि दी गई थी। उन्होंने आगे कहा, ष्मैं ट्रॉफी लेकर सीधे वहाँ गई। मैंने जुबीन अंकल को श्रद्धांजलि दी और उन्हें ट्रॉफी दिखाई। मैंने उनसे कहा, श्जुबीन अंकल, आपने कहा था कि मुझे जीतना चाहिए और आपको ट्रॉफी दिखानी चाहिए। मैं जीत गई हूँ और आपको ट्रॉफी दिखा दी है, तो अब कृपया हमारे पास आइए। आपके बिना असम सूना सा लगता है। जुबीन गर्ग की 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय रहस्यमय परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। वह पूर्वोत्तर भारत महोत्सव के चौथे संस्करण में भाग लेने के लिए दक्षिण पूर्व एशियाई देश गए थे।

पंकज धीर के अंतिम संस्कार में बेटे का रो–रोकर बुरा हाल, सलमान खान ने गले लगाकर दिया हौसला, वीडियो वायरल

बॉलीवुड और टीवी के दिग्गज एक्टर पंकज धीर अब इस दुनिया में नहीं रहे। उनका 15 अक्टूबर को कैंसर के चलते निधन हो गया। वहीं, बीते दिन ही उनका अंतिम संस्कार भी किया गया, जहां फिल्म और टीवी जगत की कई जानी–मानी हस्तियां शामिल हुईं। वहीं, पिता पंकज को अंतिम विदाई देते वक्त उनके बेटे निकितन बुरी तरह टूट गए और फूट–फूटकर रोते नजर आए। इस मौके पर एक्टर सलमान खान उन्हें गले लगाकर ढांढस बंधाते दिखे। सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि पंकज धीर के अंतिम संस्कार में पहुंचे सलमान खान इस दौरान उनके बेटे निकितन को गले लगाकर हौंसला देते दिखे। इसके बाद भी एक्टर ने चंद मिनट तक निकितन का हाथ नहीं छोड़ा। इतना ही नहीं, सलमान खान ने पंकज धीर के दोस्तों और एक्टर मुकेश तिवारी को भी गले से लगाकर दुख बांटा। अब ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और यूजर्स इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते नजर आ रहे हैं। बता दें, पंकज धीर लंबे समय से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। बीमारी के कारण उनकी सेहत लगातार कमजोर हो रही थी और इलाज के बीच ही एक्टर 15 अक्टूबर को इस दुनिया को अलविदा कह गए। पंकज धीर का एक्टर सफर बेहद प्रेरणादायक रहा है। उन्होंने 1980 के दशक में फिल्मों में छोटे–छोटे रोल्स से करियर की शुरुआत की थी। उनका बड़ा ब्रेक 1988 में तब आया जब उन्होंने बी. आर. चोपड़ा के टीवी शो 'महाभारत' में कर्ण की भूमिका निभाई। यह किरदार आज भी भारतीय टेलीविजन के सबसे यादगार पात्रों में से एक माना जाता है। इसके बाद उन्होंने कई लोकप्रिय फिल्मों जैसे 'बादशाह', 'जमीन', 'तुमको ना भूल पाएंगे', और 'सैनिक' में अहम भूमिकाएं निभाईं। टीवी जगत में भी पंकज धीर का योगदान उल्लेखनीय रहा। उन्होंने 'ससुराल सिमर का', 'राजा की आएगी बारात', और कई अन्य धारावाहिकों में अभिनय किया।

स्मृति ईरानी ने साक्षी तंवर संग शेयर की सेल्फी, टीवी की आइकॉनिक बहुओं तुलसी–पार्वती को एक फ्रेम में देख ताजा हुईं फैंस की पुरानी यादें

टीवी की दुनिया की दो सबसे आइकॉनिक बहुएं–स्मृति ईरानी और साक्षी तंवर–एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में स्मृति ईरानी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर साक्षी तंवर के साथ एक प्यारी सी सेल्फी शेयर की, जिसने फैंस को पुरानी यादों में लौटा दिया। फैंस दोनों एक्ट्रेसेस की इस तस्वीर को खूब पसंद कर रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। स्मृति ईरानी ने इंस्टाग्राम पर साक्षी तंवर के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा– "साक्षी में अनुग्रह, धैर्य और शान जैसे गुण हैं। कई सालों बाद उन्हें गले लगाना बहुत अच्छा लगा। हम तुलसी और पार्वती बनकर इतिहास नहीं बना रहे थे, बल्कि अच्छाई का पीछा कर रहे थे। साक्षी एक प्यार करने वाली मां, आदर्श बेटी और सच्ची इंसान हैं। उन्हें शब्दों में बांधना मुश्किल है। साक्षी, तुम्हें ढेर सारा प्यार– तुम घर, उम्मीद और पूरे दिल वाली हो।"इस सेल्फी में स्मृति और साक्षी दोनों पारंपरिक लुक में मुस्कुराती नजर आ रही हैं। जैसे ही यह तस्वीर वायरल हुई, फैंस ने इन दोनों को एक साथ स्क्रीन पर देखने की मांग शुरू कर दी।रिपोर्ट्स के मुताबिक, टीवी इंडस्ट्री में चर्चा है कि 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में 'कहानी घर घर की' के साथ एक स्पेशल क्रॉसओवर एपिसोड की योजना बनाई जा रही है। अगर ऐसा होता है, तो यह 2000 के दशक के टीवी दर्शकों के लिए एक नॉस्टैल्जिक ट्रीट साबित होगा। बता दें, 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' की तुलसी और 'कहानी घर घर की' की पार्वती के रूप में स्मृति ईरानी और साक्षी तंवर ने 2000 के दशक में छोटे पर्दे पर घर–घर में अपनी अलग पहचान बनाई थी।

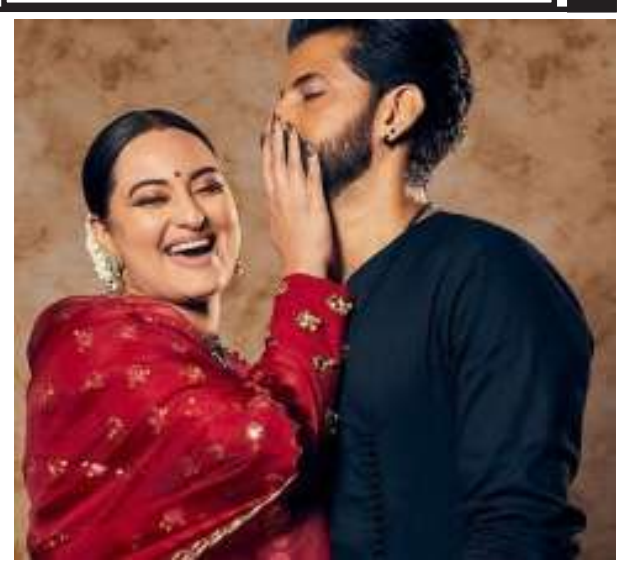

पति जहीर इकबाल ने दिया सोनाक्षी सिन्हा की प्रेग्नेंसी का हिंट! पेट पर हाथ रखते ही चिल्ला पड़ीं एक्ट्रेस

एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने बॉयफ्रेंड जहीर इकबाल संग पिछले साल जून में शादी रचाई थी। अब कपल की शादी को एक साल से ज्यादा का वक्त हो गया है और अक्सर दोनों के पेरेंट्स बनने की रुमर्स सोशल मीडिया पर उड़ती रहती हैं। कई बार यूजर्स कयास लगा चुके हैं कि सोनाक्षी मां बनने वाली हैं। मगर वह मजेदार अंदाज में इन अफवाहों को हर बार खारिज कर ही देते हैं। वहीं, हाल ही में एक पार्टी से दोनों का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसे देख फिर से एक्ट्रेस की प्रेग्नेंसी की अफवाहें उड़ने लगी। दरअसल, सोनाक्षी सिन्हा हाल ही में अपने पति जहीर इकबाल के साथ एक पार्टी में शामिल हुईं। इस दौरान एक्ट्रेस ने आइवरी कलर की ढीली–ढाली ड्रेस पहनी, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही थी। सोनाक्षी और जहीर के साथ इस दौरान सोहेल खान और अरबाज खान के बेटे निर्वाण और अरहान खान भी नजर आए। जब फोटो सैशन हुआ तो जहीर ने मजाकिया अंदाज में सोनाक्षी सिन्हा के पेट पर हाथ रखकर पैप्स को पोज देने की कोशिश की, जिससे एक्ट्रेस हैरान रह गईं और एकदम चिल्ला उठीं। उन्होंने चिल्लाते हुए कहा जहीर और उछल कर पीछे हो गईं। इस पर जहीर कहते हैं मजाक था। जहीर इकबाल का ये प्रैंक देख जहां कई लोग हंस रहे हैं तो वहीं, कई यह मान रहे हैं कि वह हिंट दे रहे हैं कि एक्ट्रेस वाकई मां बनने वाली हैं। हालांकि, कपल ने अभी तक कोई प्रेग्नेंसी की पुष्टि नहीं की है। सोनाक्षी सिन्हा हाल ही में वेब सीरीज "हीरमंडी" में नजर आई थीं, जिसमें उनके अभिनय की खूब तारीफ हुई। इसके अलावा वह जल्द ही कुछ नए प्रोजेक्ट्स में भी नजर आने वाली हैं। जहीर इकबाल भी बॉलीवुड में अपनी जगह बनाने में जुटे हुए हैं और आने वाले समय में उनकी एक नई फिल्म की चर्चा चल रही है।

सुपरस्टार महेश बाबू आज करेंगे 'जटाधारा' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

साल की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक 'जटाधारा' को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी बीच जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा ने फिल्म का शानदार मोशन पोस्टर जारी करते हुए घोषणा की है कि इसका ऑफिशियल ट्रेलर 17 अक्टूबर को लॉन्च किया जाएगा, जिसे सुपरस्टार महेश बाबू हैदराबाद में रिलीज करेंगे। गौरतलब है की हाल ही में रिलीज हुई रहस्यमयी, शक्तिशाली और बेहद प्रभावशाली मोशन पोस्टर अपने आप में एक विजुअल स्टॉर्म है, जिसमें सोनाक्षी सिन्हा अपने अब तक के सबसे बोल्ड और दमदार अवतार में नजर आ रही हैं। फिलहाल सोनाक्षी जहां प्रखर ऊर्जा से भरपूर, दिव्यता और शक्ति का संगम लग रही हैं, वहीं सुधीर बाबू अपनी तराशी हुई बॉडी, पैनी नजर और त्रिशूल के साथ अच्छाई और बुराई के अनंत संघर्ष का प्रतीक नजर आते हैं। जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा द्वारा प्रस्तुत 'जटाधारा' एक द्विभाषी सुपरनैचुरल फैंटेसी थ्रिलर है, जो पौराणिक कथाओं, आस्था और लोककथाओं को एक अद्भुत सिनेमाई अनुभव में पिरोती है। फिल्म के निर्माता हैं उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा, जबकि अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोड़ा सह–निर्माता हैं। दिव्या विजय क्रिएटिव प्रोड्यूसर और भाविनी गोस्वामी सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर हैं। फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा के साथ दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णा, रवि प्रकाश, नवीन नेनी, रोहित पाठक, झांसी, राजीव कनकला और सुभलेखा सुधाकर जैसे शानदार कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। साथ ही साथ ही जी म्यूजिक कंपनी के साउंडट्रैक से सजी फिल्म जटाधारा सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि आस्था, नियति और प्रकाश–अंधकार के अनंत युद्ध की एक महागाथा है, जो 7 नवंबर 2025 को हिंदी और तेलुगु में देश भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सफाई के दौरान न करें ये गलती वरना शरीर में घर बना लेगी ये बीमारी

दिवाली नजदीक आते ही घरों में सफाई की शुरुआत हो जाती है। लोग पुराना सामान हटाकर नया लाते हैं, हर कोना चमकाते हैं ताकि लक्ष्मी जी का स्वागत हो सके। लेकिन कई बार यह सफाई का जोश सेहत के लिए खतरा बन जाता है। डॉक्टरों की मानें तो दिवाली की सफाई के दौरान लापरवाही करना गंभीर बीमारियों की वजह बन सकता है। आइए जानते हैं किन गलतियों से बचना जरूरी है।

धूल से फैल सकती हैं एलर्जी और सांस की समस्या

दिवाली सफाई के दौरान सबसे आम समस्या होती है धूल का उड़ना। घर के कोनों, फर्नीचर, पंखों और पर्दों में जमा महीनों पुरानी धूल जब उड़ती है तो हवा में मौजूद कण नाक और फेफड़ों में चले जाते हैं। इससे एलर्जी, छींक, खांसी, आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। विशेष रूप से जिन लोगों को पहले से अस्थमा या साइनस की शिकायत है, उनके लिए यह स्थिति और भी ज्यादा खतरनाक हो सकती है। एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि सफाई करते वक्त मास्क और दस्ताने पहनें, ताकि धूल और केमिकल्स का असर शरीर पर न पड़े।

केमिकल क्लीनर्स से त्वचा और आंखों को खतरा

मार्केट में मिलने वाले कई क्लीनिंग एजेंट्स, डिटर्जेंट और फ्लोर क्लीनर्स में बहुत ही स्ट्रॉन्ग केमिकल्स होते हैं। इनका ज्यादा इस्तेमाल करने से त्वचा पर रैशेज, खुजली, जलन, और आंखों में पानी आना जैसी दिक्कतें हो सकती हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक, इन केमिकल्स की गैस लंबे समय तक सांस के जरिए शरीर में जाती है तो फेफड़ों को नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए सफाई करते वक्त रबर के ग्लव्स और सेफ्टी गॉगल्स का इस्तेमाल जरूरी है। कोशिश करें कि कमरे की खिड़कियां और दरवाजे खुले रहें ताकि वेंटिलेशन बना रहे।

ज्यादा मेहनत से हो सकता है मसल्स पेन

दिवाली की सफाई में अक्सर महिलाएं और बुजुर्ग घंटों झुककर या सीढ़ियों पर चढ़कर सफाई करते हैं। इससे पीठ, गर्दन और पैरों में दर्द शुरू हो जाता है। कई बार मसल्स स्ट्रेन या जोड़ों में सूजन जैसी समस्याएं भी सामने आती हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, सफाई का काम ब्रेक लेकर धीरे–धीरे करना चाहिए। लगातार झुककर काम करने से बचें और सही पॉश्चर बनाए रखें। अगर दर्द महसूस हो, तो तुरंत रुक जाएं और आराम करें।

कमरे को हवादार रखें और धूल उड़ने से बचाएं

सफाई के दौरान यह बहुत जरूरी है कि घर में अच्छी वेंटिलेशन हो। जब हवा का प्रवाह होता है, तो धूल और केमिकल्स हवा में ज्यादा देर तक नहीं ठहरते। इसलिए सफाई करते वक्त दरवाजे और खिड़कियां खुली रखें। साथ ही, झाड़ू की बजाय गीले कपड़े या मोप का इस्तेमाल करें। इससे धूल उड़ने के बजाय कपड़े पर चिपक जाएगी और हवा में नहीं फैलेगी। इससे एलर्जी और सांस की परेशानी का खतरा कम होगा।

इन गलतियों से जरूर बचें

बिना मास्क या ग्लव्स के सफाई करना

केमिकल्स को मिलाकर इस्तेमाल करना (जैसे ब्लीच और डिटर्जेंट)

बंद कमरे में क्लीनिंग स्प्रे का उपयोग करना

लगातार घंटों सफाई करना बिना आराम के

पुरानी झाड़ू या धूल भरे कपड़े से सफाई करना

दिवाली की सफाई जितनी जरूरी है, उतना ही जरूरी है स्वास्थ्य का ध्यान रखना। सफाई के जोश में अपनी सेहत को नजरअंदाज न करें। सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करें, सही तरीके से सफाई करें और आराम लेते रहें। तभी दिवाली की रौनक आपके घर के साथ–साथ आपकी सेहत पर भी चमकेगी।

हर समय सीने में भारीपन और जकड़न महसूस होती है तो क्या करें ?

आपने बहुत से लोगों को ये कहते सुना होगा कि उन्हें सीने में भारीपन व जकड़न या हल्का दर्द जैसा महसूस होता है। जब ऐसा होता है तो ज्यादातर लोग इसे चिंता के रूप में दिल से जोड़ कर देखते हैं लेकिन सीने में भारीपन और जकड़न की वजह जरूरी नहीं कि दिल से ही जुड़ी हो। बल्कि सीने में जकड़न और भारीपन होने के और भी बहुत से कारण हो सकते हैं। चलिए सीने के भारीपन और जकड़न के क्या कारण हो सकते हैं।

सीने में भारीपन और जकड़न होने की वजह

सीने में दर्द, हमेशा दिल के दौरे का संकेत नहीं होते। सीने में भारीपन जकड़न होने की बहुत सी वजहें हो सकती हैं। जैसे कफ–इंफेक्शन होना, गैस–एसिडिटी होना, किसी प्रकार की टैंशन, मानसिक चिंता, निमोनिया की समस्या हो सकती हैं। सीने में जकड़न व दर्द के अन्य कारणों में हार्टबर्न, इंफेक्शन, सूजन और पैनिक अटैक शामिल हैं। एनजाइना एक प्रकार का सीने का दर्द है जो दिल के दौरे से अलग होता है लेकिन यह भी बढ़े हुए जोखिम का संकेत देता है।

गैस के चलते छाती में दर्द व भारीपन होने के लक्षण

बहुत से लोगों का ये सवाल रहता है कि क्या गैस–एसिडिटी के चलते सीने में दर्द या भारीपन हो सकता है तो जवाब है जी हां, गैस की वजह से सीने में भारीपन या बेचौनी का एहसास हो सकता है। इसके कुछ लक्षण हैं छाती में भारीपन, दबाव, जकड़न और सिकुड़न। सुस्त, दर्द या ऐंठन जैसी संकेत गैस के दर्द के कुछ लक्षण हैं। सांस फूलना, पसीना आना, मतली, चक्कर आना, उल्टी आना, पेट फूलना, डकार आना, पेट फूलना और पेट में परेशानी, दिल की धड़कन तेज या घबराहट। इसके चलते छाती में दर्द महसूस हो सकता है।

सीने में जकड़न व भारीपन होने के कुछ बड़े कारण

सीने में जकड़न व दवाब जैसा महसूस उस समय भी होता है जब व्यक्ति, इन हैल्थ प्रॉब्लम की चपेट में हो। जैसेः दमा, निमोनिया, श्वसन संक्रमण ,हाई ब्लड प्रैशर, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी), एलर्जी, एसिड रिफ्लक्स या जीईआरडी (गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रिफ्लक्स रोग) कपेमेंम, कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी), पित्ताशय की पथरी , दाद, पेप्टिक अल्सर। इसके अलावा जिन लोगों का वजन बहुत ज्यादा है। दिल से जुड़ी समस्याएं, धूम्रपान, एलर्जी, फिजिकल एक्टिविटी ना करने वालों को लोगों को भी सीने में जकड़न–भारीपन महसूस हो सकता है।

सीने में दर्द के 3 लक्षण क्या हैं?

सीने में दर्द हो रहा हो तो ये लक्षण दिख सकते हैं जैसे–सांस फूलना, मतली, चक्कर आना या ठंडा पसीना आना। सीने में दर्द और जबड़े में या बाये कंधे–बाजु में दर्द। घबराहट (दिल की धड़कन तेज होना)।

सीने में अचानक दर्द होने के कारण

सीने में दर्द के कई कारण हो सकते हैं जैसे कि आपके दिल, फेफड़े या पाचन तंत्र में कोई दिक्कत हो तो। ऐसे लक्षण कुछ कारण जानलेवा होते हैं जबकि कुछ नहीं भी होते। डाक्टरी जांच के द्वारा ही आपको सीने में दर्द के सही कारण पता लग सकते हैं। अगर समस्या बड़ी है तो सीने में दर्द के उपचार में दवाएं या ऑपरेशन शामिल हो सकते हैं।

क्या टेंशन से सीने में दर्द होता है?

चिंता, बेचौनी या तनाव महसूस करना जीवन का एक सामान्य हिस्सा है। चिंता या घबराहट के कारण सीने में दर्द आमतौर पर एक तेज, चुभने वाली सनसनी की तरह महसूस हो सकता है जो अचानक शुरू होता है। हालांकि व्यक्ति सीने में दर्द शुरू होने से पहले ही तनावग्रस्त या चिंतित महसूस कर सकते हैं। चिंता या घबराहट के दौरे के आम लक्षणों में शामिल है चक्कर आना। इसी के साथ सीने में दर्द दिल के दौरे और अन्य हृदय संबंधी स्थितियों का भी लक्षण हो सकते है इसलिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि चिंता के कारण होने वाला सीने में दर्द कैसा महसूस होता है और आप अपने लक्षणों में सुधार कैसे कर सकते हैं।

अगर ऐसा लगातार हो रहा है तो डाक्टरी सलाह जरूर लें।

सीने में भारीपन हो तो क्या करना चाहिए?

सीने में जकड़न को हल्के में नहीं लेना चाहिए। अगर आपको सीने में जकड़न के साथ–साथ अन्य चिंताजनक लक्षण भी महसूस होते हैं तो तुरंत डॉक्टर से चेकअप करवाएं क्योंकि सीने में जकड़न दिल के दौरे जैसी गंभीर स्वास्थ्य स्थिति का भी लक्षण हो सकता है। अगर छाती की जकड़न या भारीपन चेस्ट व लंग्स इंफेक्शन के कारण है तो यह सामान्य है जो सामान्य सर्दी–जुकाम के कारण भी हो सकती है जिसके चलते बलगम के जमा होने के कारण फेफड़ों और वायुमार्ग में जमाव पैदा कर देता है। इससे छुटकारा पाने के लिए हाइड्रेट रहें। हाइड्रेटेड रहने से बलगम पतला होता है और बलगम को आसानी से बाहर निकालने में मदद मिलती है। सूप और गर्म पेय पदार्थ का सेवन करें। जैसे–काढ़ा, गर्म गुनगुना पानी, तुलसी टी आदि। सर्दी–खांसी दूर करने वाली दवाइयों की मदद से भी छाती का जमाव ठीक होगा। रात में ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करने से बलगम कम होती है और छाती से दबाव कम होता है और रात में बेहतर नींद आने में मदद मिल सकती है। कम मात्रा में खाएं और ज्यादा मील लें। धूम्रपान से बचें। कार्बोनेटेड, कैफीनयुक्त या एल्कोहल युक्त चीजों से परहेज करें। तले–भूने ऑयली फूड्स, चॉकलेट, टमाटर और प्याज आदि का सेवन कुछ दिन ना करें। फेफड़ों की समस्याएं जैसे कि सीओपीडी, छाती में तकलीफ पैदा कर सकती हैं, जिससे दर्द और जकड़न के लक्षण हो सकते हैं। पर्याप्त आराम करें। शरीर पर ज्यादा दबाव डाले बिना हल्की सैर करने की सलाह दी जा सकती है।

टेंशन के चलते सीने में दर्द हो तो क्या करें ?

जिन लोगों को चिंता, एंग्जाइटी, घबराहट के चलते सीने में भारीपन महसूस होता है वह मेडिटेशन करें और इससे आपको नेगेटिव चिंताजनक विचारों से बाहर आने में मदद मिलेगी। सांस लेने में तकलीफ है तो सांस लेते समय पांच तक गिनें, चार सेकंड तक रोकें और अगले तीन सेकंड में छोड़ दें। ऐसा तब तक जारी रखें जब तक कि सांस फिर से सामान्य न हो जाए। रूटीन में एक्सरसाइज करें।

मांसपेशियों में चोट के चलते जकड़न है तो क्या करें

मांसपेशियों की चोट के चलते अगर सीने में जकड़न महसूस हो रही है तो उचित चिकित्सा देखभाल बहुत महत्वपूर्ण है। पर्याप्त आराम करें। चिकित्सक सलाह से ही चोट का इलाज करें।

डॉक्टर से कब परामर्श लें?

सीने में जकड़न को हल्के में नहीं लेना चाहिए। अगर आपको सीने में जकड़न के साथ–साथ अन्य चिंताजनक लक्षण भी महसूस होते हैं, तो तुरंत डॉक्टर से मिलें।

सीने में जकड़न दिल के दौरे जैसी गंभीर स्वास्थ्य स्थिति का लक्षण हो सकता है।

सीने में दर्द या जकड़न जो गर्दन, बाएं हाथ और जबड़े तक फैल जाए और बहुत ज्यादा हो।

लगातार सांस फूलने लगे या सांस लेने में कठिनाई हो।

चक्कर आना, बेहोशी या आंखों के आगे अंधेरा आने लगे।

इस तरह खरीदें डेकोरेशन आइटम्स, राजमहल जैसे जगमगा उठेगा आपके सपनों का आशियाना

यदि घर की साज–सज्जा के लिए यदि सही चीज का चुनाव किया जाए, तो एक ही डेकोरेटिव आइटम पूरे घर को चमका सकते हैं। घर का सामान खरीदते समय यदि आप कुछ बातों का ध्यान रखती हैं, तो आप घर को बेहतर तरीके से सजा सकती हैं। त्योहार आदि के मौके पर लोग घरों को सजाने के लिए तमाम तरह के डेकोरेशन आइटम्स की खरीददारी करते हैं। घरों को सजाना आसान होने के साथ काफी मुश्किल होता है। अक्सर लोग अपने घर को खूबसूरत बनाने के लिए आर्टिफिशियल फूलों के साथ, स्टैचू और वॉल पेंटिंग खरीदकर लाते हैं। लेकिन समस्या यह होती है कि इन आइटम्स को कहां और किस जगह पर लगाया जाए। वहीं क्या ये डेकोरेशन आइटम्स घर को सुंदर दिखाएं। ऐसी तमाम तरह की बातें हमारे दिमाग में चलती रहती हैं। हालांकि इस बात में कोई शक नहीं है कि घर की साज–सज्जा के लिए यदि सही चीज का चुनाव किया जाए, तो एक ही डेकोरेटिव आइटम पूरे घर को चमका सकते हैं। घर का सामान खरीदते समय यदि आप कुछ बातों का ध्यान रखती हैं, तो आप घर को बेहतर तरीके से सजा सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको होम डेकोर के कुछ ऐसे टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे आप डेकोरेशन आइटम खरीदने के दौरान अपना सकती हैं।

टिकाऊ और मजबूत डेकोरेशन आइटम

मार्केट में अलग–अलग तरह के डेकोरेशन आइटम्स मिलते हैं। कुछ आइटम्स इतने कमजोर होते हैं, जिन पर हल्का सा धक्का लग जाए तो वह टूट जाएंगे। वहीं कुछ सामान ऐसे होते हैं, जो मजबूत होते हैं। ऐसे में अगर आप किसी आइटम को खरीदने के लिए अच्छा खासा बजट खर्च कर रहे हैं, तो आप मजबूत और टिकाऊ सामान लें।

फर्नीचर

घर को भरा और सुंदर दिखाने के लिए अक्सर लोग डिजाइनर फर्नीचर और सोफा खरीदना पसंद करते हैं। कई बार हम काम के लिए अलग–अलग फर्नीचर खरीदते हैं। ऐसे में आप अलग–अलग फर्नीचर खरीदने की जगह मल्टीपर्पज फर्नीचर ले सकते हैं। बेड और सोफा अलग–अलग लेने की बजाय आप सोफा कम बेड ले सकते हैं। मार्केट में इस तरह के तमाम फर्नीचर मौजूद हैं, जो बजट और समय दोनों की बचत करते हैं।

इको फ्रेंडली आइटम्स

डेकोरेशन का सामान खरीदने के दौरान प्रयास करें कि आप ऐसा सामान खरीदें, जो इको फ्रेंडली हों। ऐसी चीजों जिनको खराब होने पर उन्हें फेंकने से किसी तरह का कोई नुकसान न हो। आप घर के लिए आर्टिफिशियल प्लांट की जगह रियल इंडोर और आउटडोर प्लांट खरीदें।

संक्षिप्त

वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत दुनिया का उज्ज्वल केंद्र, आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने दी सलाह

नई दिल्ली। खंडित वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत एक उज्ज्वल स्थान है, लेकिन इसे व्यापार संबंधों को और गहरा करना होगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की एमडी क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा, भारत वैश्विक विकास के सबसे मजबूत स्तंभों में से एक बना हुआ है, भले ही बढ़ते टैरिफ, असमान विस्तार व कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के तेजी से विकास के बीच विश्व अर्थव्यवस्था अधिक अप्रत्याशित होती जा रही है। आईएमएफ की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जॉर्जीवा ने कहा, भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। यह वैश्विक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है। उनके मुताबिक, देश को घनिष्ठ व्यापार एकीकरण से लाभ हो सकता है। भारत स्वयं भागीदारों के साथ उच्च स्तर के व्यापार एकीकरण का लक्ष्य रख सकता है। भारत ने अब भी व्यापार में कुछ बाधाएं बरकरार रखी हैं। आईएमएफ की एमडी ने हाल में प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के टैरिफ उपायों को अपनाने के कारण बदलते वैश्विक व्यापार पैटर्न की ओर इशारा किया। जॉर्जीवा ने कहा, यह एक महत्वपूर्ण बदलाव है। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था ने भागीदारों के साथ संबंधों में टैरिफ को एक साधन के रूप में इस्तेमाल करना चुना है। बाकी दुनिया ने अभी तक इसका अनुसरण नहीं किया है। आईएमएफ के 191 सदस्यों में से हमने केवल तीन देशों अमेरिका, चीन और कनाडा को टैरिफ पर अधिक सख्ती से आगे बढ़ते देखा है।

अब नेस्ले में भी छंटनी की खबर, कंपनी ने लागत घटाने के लिए 16000 नौकरियों में कटौती का बनाया प्लान

नई दिल्ली। खाद्य जगत की दिग्गज स्विस कंपनी नेस्ले ने भी अपने वित्तीय प्रदर्शन को सुधारने के लिए छंटनी का सहारा लेने का फैसला किया है। खबर है कि कंपनी वैश्विक स्तर पर 16,000 नौकरियों में कटौती करेगी। नेस्ले नेस्कैफे ड्रिंक्स, पालतू जानवरों के भोजन पुरीना और अन्य उत्पाद बनाती है। कंपनी ने गुरुवार को बताया कि अगले दो वर्षों में वह नौकरियों में कटौती कंपनी। स्विस कंपनी ने बताया कि वह अगले वर्ष के अंत तक लागत में कटौती का लक्ष्य बढ़ाकर 3 अरब स्विस फ्रैंक (3.76 अरब डॉलर) कर रही है। पहले यह लक्ष्य 2.5 अरब स्विस फ्रैंक (3.13 अरब अमेरिकी डॉलर) थी। वेवे, स्विट्जरलैंड स्थित कंपनी के लिए यह साल उथल–पुथल भरा रहा है। पिछले महीने, नेस्ले ने अपने एक प्रत्यक्ष अधीनस्थ के साथ अघोषित संबंधों की जांच के बाद सीईओ लॉरेंट फ्रेइक्स को बर्खास्त कर दिया था। फ्रेइक्से को इस पद पर आए हुए सिर्फ एक साल हुआ था। उनकी जगह नेस्ले के लंबे समय से कार्यकारी रहे फिलिप नवरातिल को नियुक्त किया गया था। फ्रेइक्से को पद से हटाए जाने के कुछ समय बाद ही अध्यक्ष पॉल बुल्के ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। नेस्ले भी अन्य खाद्य निर्माताओं की तरह बाहरी चुनौतियों से जूझ रही है। इनमें बढ़ती कमोडिटी लागत और टैरिफ का नकारात्मक प्रभाव शामिल है। कंपनी ने जुलाई में कहा था कि उसने कॉफी और कोको से जुड़ी बढ़ी हुई लागत की भरपाई कीमतों में बढ़ोतरी से की है। नेस्ले ने गुरुवार को कहा कि वह कई जगहों पर 12,000 व्हाइट–कॉलर पदों को समाप्त करेगी। इन नौकरियों में कटौती से अगले साल के अंत तक 1 अरब स्विस फ्रैंक (1. 25 अरब अमेरिकी डॉलर) की सालाना बचत होने की उम्मीद है। कंपनी अपने विनिर्माण और आपूर्ति शृंखला में चल रही उत्पादकता पहलों के तहत 4,000 नौकरियों में कटौती करेगी। नवरातिल ने एक बयान में कहा, ष्दुनिया बदल रही है और नेस्ले को और तेजी से बदलने की जरूरत है।ष नेस्ले के शेयरों में सिक्स स्विस एक्सचेंज पर लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

रुपया शुरुआती कारोबार में 21 पैसे चढ़कर 87.75 प्रति डॉलर पर

रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 21 पैसे चढ़कर 87. 75 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी प्रवाह में वृद्धि तथा कच्चे तेल की कम कीमतों से निवेशकों की धारणा को और बल मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 87.91 प्रति डॉलर पर खुला। फिर बढ़त के साथ 87.75 प्रति डॉलर के शुरुआती उच्च स्तर को छू गया, जो पिछले बंद भाव से 21 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बृहस्पतिवार को 12 पैसे चढ़कर 87.96 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.17 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार 261. 58 अंक की गिरावट के साथ 83,206.08 अंक पर और निफ्टी 76.7 अंक फिसलकर 25,508.60 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 60.90 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बृहस्पतिवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 997.29 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

भारत में 85 प्रतिशत डिजिटल भुगतान यूपीआई के जरिए, बोले आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा

नई दिल्ली/वाशिंगटन। भारत में करीब 85 प्रतिशत डिजिटल भुगतान लेनदेन यूपीआई के जरिए होता है। देश समावेशी, सुरक्षित और स्केलेबल डिजिटल पब्लिक प्लेटफॉर्म (डीपीपी) के मामले में एक उदाहरण बन सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को यह बात कही। मल्होत्रा ने मंगलवार को वाशिंगटन डीसी में विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की वार्षिक बैठक के अवसर पर आरबीआई की ओर से आयोजित डिजिटल सार्वजनिक प्लेटफार्मों के माध्यम से आर्थिक लचीलापन लाने से जुड़े से कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, डीपीपी समावेशी विकास और नवाचार के लिए एक शक्तिशाली उत्प्रेरक बन गए हैं।

रोहित–कोहली के रहते और मजबूत कप्तान बनेंगे शुभमन, वनडे सीरीज से पहले अक्षर पटेल का बयान

पर्थ। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर अक्षर पटेल का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी दिग्गजों की मौजूदगी से नव–नियुक्त कप्तान शुभमन गिल को अपनी कप्तानी को निखारने में जबरदस्त मदद मिलेगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार से शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले अक्षर ने शुक्रवार को यह बात कही। गिल को हाल ही में भारत की वनडे टीम की कप्तानी सौंपी गई है। उन्होंने रोहित शर्मा की जगह कमान संभाली है, जिन्होंने इसी साल मार्च में भारत को चौंपियंस ट्रॉफी जिताई थी। अक्षर ने कहा, गिल के लिए यह एकदम सही माहौल है। रोहित भाई और विराट भाई दोनों साथ हैं। दोनों ही कप्तान रह चुके हैं, इसलिए वे गिल को महत्वपूर्ण सुझाव दे सकते हैं। इससे उनकी कप्तानी की ग्रोथ और भी बेहतर होगी। उन्होंने यह भी कहा कि गिल अब तक अपने कप्तानी कार्यकाल में बिल्कुल भी दबाव में नहीं दिखे हैं, जो उनके आत्मविश्वास और संतुलन को दर्शाता है।

रोहित–कोहली दिख रहे हैं पूरी तरह तैयार

मार्च के बाद पहली बार विराट कोहली और रोहित शर्मा भारतीय टीम के लिए खेलते नजर आएंगे। दोनों सीनियर खिलाड़ियों ने चौंपियंस ट्रॉफी के बाद कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। लेकिन अक्षर का कहना है कि दोनों पहले की तरह ही फिट और फोकस्ड हैं। उन्होंने कहा, ट्रेविस (हेड) ने भी कहा कि वे दोनों वर्ल्ड क्लास प्लेयर हैं। वे जानते हैं कि मैच से पहले खुद को कैसे तैयार करना है। वे बेंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अभ्यास कर रहे थे और अब पूरी तरह तैयार लग रहे हैं। नेट्स में उनका टाइमिंग और फिटनेस दोनों शानदार दिखी।

अब बात पिच की नहीं, रणनीति की होती है

अक्षर पटेल ने आगे कहा कि अब भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया की बाउंसी पिचों को लेकर नहीं, बल्कि रणनीति पर ज्यादा ध्यान देती है। उन्होंने कहा, श्2015 में जब मैं पहली बार ऑस्ट्रेलिया आया था, तब बातचीत पिच, बाउंस और कंडीशंस पर होती थी। लेकिन अब ऐसा नहीं है। तब हम यहाँ कम खेलते थे, अब हम नियमित रूप से खेलने लगे हैं। अब हम सोचते हैं कि रन कहाँ से निकाले जा सकते हैं, किस रणनीति से खेलना है। अब चर्चा 'पिच कैसी है' पर नहीं बल्कि 'रणनीति क्या होगी' पर होती है।

जडेजा की जगह खेलना चुनौती, लेकिन मैं तैयार हूं

इस सीरीज में अक्षर पटेल को रविंद्र जडेजा की जगह टीम में शामिल किया गया है, और वे इस मौके को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैं इस सीरीज को लेकर बहुत आत्मविश्वासी हूं। एशिया कप में मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा था, बल्ले और गेंद दोनों से। अब काफी समय बाद, 2022 टी20 विश्व कप के बाद, मैं ऑस्ट्रेलिया में खेल रहा हूं। यह मेरे लिए एक बड़ा मौका है और मैं इसके लिए पूरी तरह तैयार हूं।

टखने में चोट से टूटा विराट कोहली के साथ खेलने का सपना, लेकिन रणजी डेब्यू पर जड़ दिया दोहरा शतक

नई दिल्ली। दिल्ली के युवा बल्लेबाज आयुष दोसेजा का सपना था कि वह अपने बचपन के हीरो विराट कोहली के साथ एक ही टीम में खेलें। इस साल की शुरुआत में जब उन्हें रेलवे के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच के लिए दिल्ली टीम में जगह मिली, तो उनका सपना साकार होता दिखा। लेकिन किस्मत को कुछ और मंजूर था। राजकोट में सौराष्ट्र के खिलाफ अभ्यास सत्र के दौरान उनका टखना मुड़ गया और वह डेब्यू से पहले ही टीम से बाहर हो गए। उसी मैच में विराट कोहली ने अपना आखिरी रेड–बॉल मैच खेला और आयुष बस किनारे से यह सब देखते रह गए। अब पीटीआई के साथ बातचीत में कहा, बचपन से सपना था विराट सर के साथ खेलने का। मौका आया और चला गया। हां, कुछ दिन बहुत दुखी रहा, लेकिन किस्मत पर भरोसा था।

रणजी डेब्यू में दोहरा शतक

नसीब ने भले ही उन्हें कोहली के साथ खेलने नहीं दिया, लेकिन रणजी ट्रॉफी डेब्यू पर आयुष ने ऐसा प्रदर्शन किया जिसने सबका दिल जीत लिया। हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने 279 गेंदों पर 209 रन ठोककर शानदार दोहरा शतक लगाया। आयुष ने कहा, शायद भगवान ने मेरे लिए कुछ बड़ा सोचा था। विराट सर के साथ खेलने का मौका नहीं मिला, लेकिन रणजी डेब्यू पर दोहरा शतक लगाकर वो दर्द थोड़ा कम हो गया।

सनत संगवान के साथ 319 रनों की साझेदारी

इस ऐतिहासिक पारी में उनके साथी सनत संगवान भी पीछे नहीं रहे। दोनों ने मिलकर 319 रनों की विशाल साझेदारी की। संगवान ने नाबाद 211 रन बनाए। आयुष ने कहा, हम अंडर–23 और अंडर–25 के दिनों से साथ खेल रहे हैं। हमें पता था कि अगर पॉजिटिव क्रिकेट खेलें, तो बड़ी साझेदारी हो सकती है।

कोच अजय चौधरी ने कही यह बात

आयुष के बचपन के कोच अजय चौधरी ने याद किया, वो पहली बार 10 साल से भी कम उम्र में मेरे पास आया था। तब मैंने कहा था कि अभी छोटा है, दो साल बाद आना। 11 की उम्र से वह लगातार मेरे साथ है। हमने पीतमपुरा से लेकर मंडी हाउस तक हर मैदान में साथ मेहनत की। उन्होंने बताया कि दिल्ली प्रीमियर लीग में इस साल आयुष का गेम बदल गया। अजय ने बताया, पिछले साल उसे मौका नहीं मिला, लेकिन इस बार उसके आक्रामक शॉट्स ने सभी को प्रभावित किया।

पढ़ाई में भी अव्वल, एमबीए कर रहे हैं आयुष

दिल्ली के इस युवा क्रिकेटर ने खेल के साथ पढ़ाई को भी संतुलित रखा है। आयुष ने बताया, श्मैंने 10वीं और 12वीं में 89 और 90: अंक लिए। श्रद्धानंद कॉलेज से बी.कॉम किया और अब मेरठ की एक यूनिवर्सिटी से एमबीए कर रहा हूं।श उन्होंने कहा, श्क्रिकेट मेरा फोकस है, लेकिन अगर पढ़ाई साथ में हो सकती है तो क्यों नहीं?श

आईपीएल का सपना अब नजदीक

आयुष ने हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के ट्रायल दिए हैं, जबकि मुंबई इंडियंस ने भी उन्हें 17–18 अक्तूबर को बुलाया था।

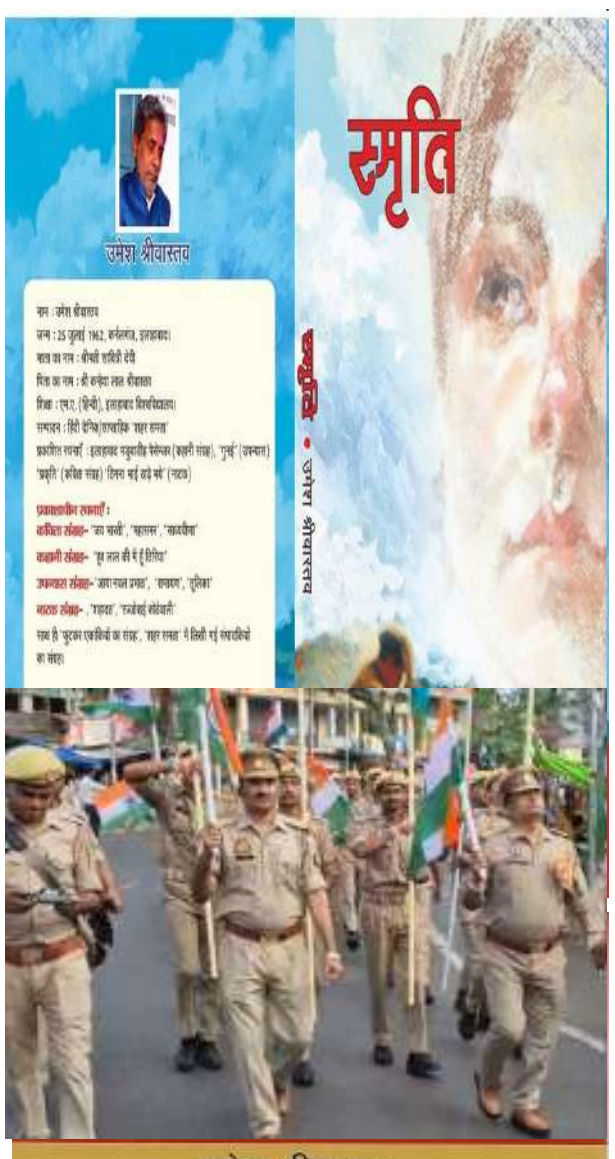

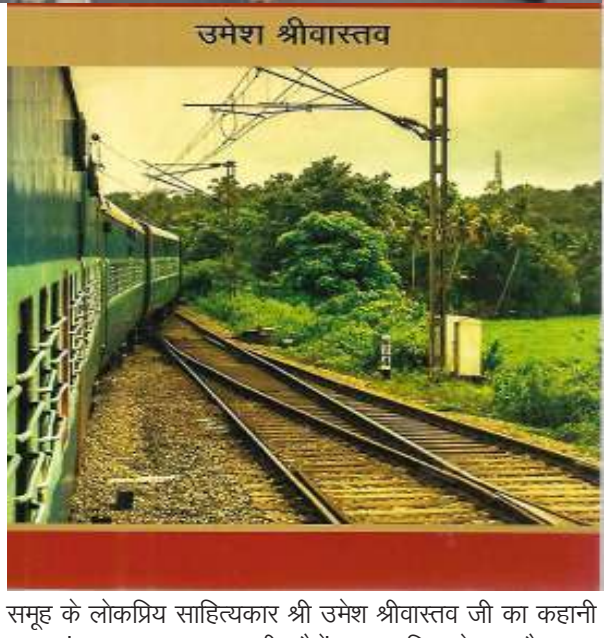

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

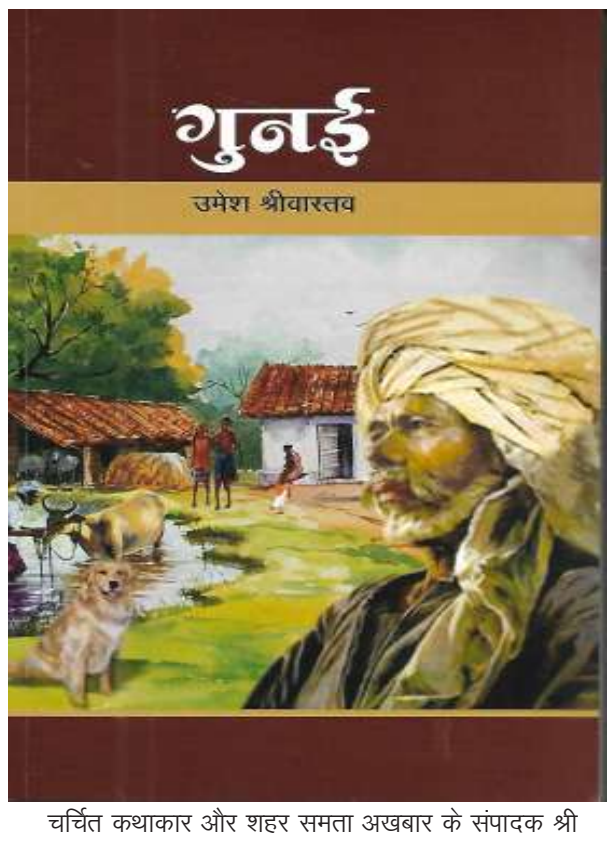

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

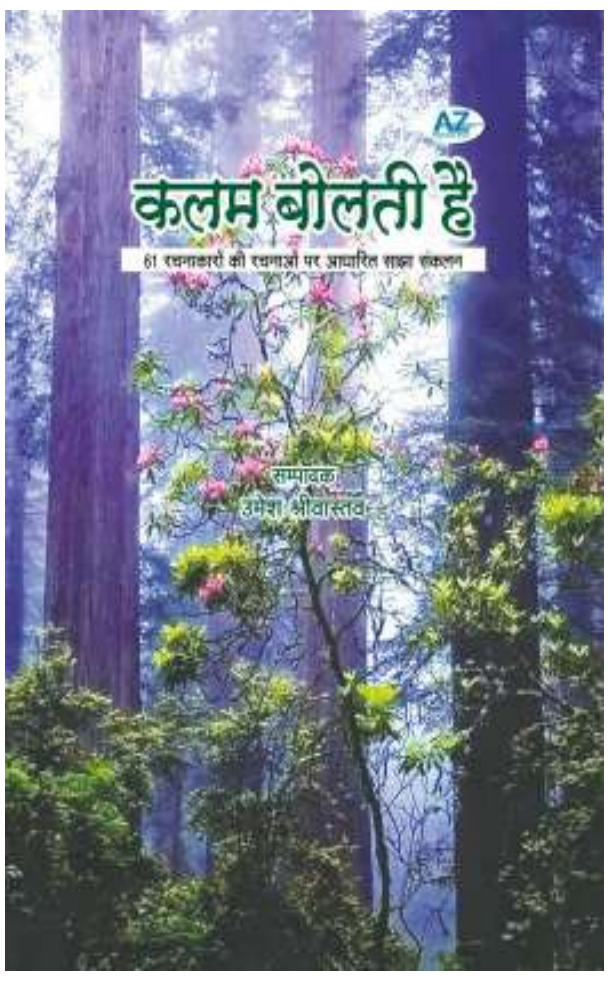

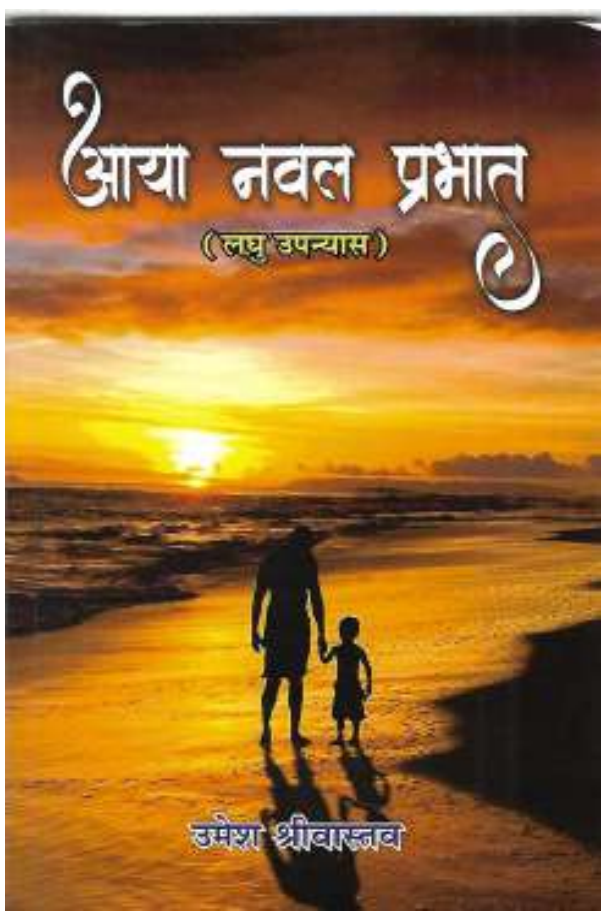

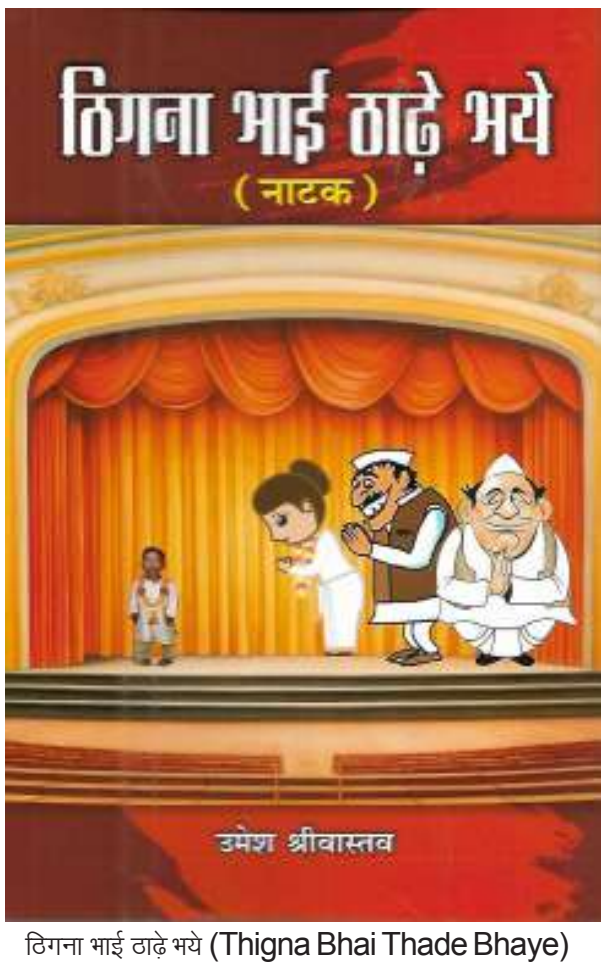

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

गाजा में खून-खराबा रुका नहीं तो हमास को खत्म कर देंगे, डोनाल्ड ट्रंप का सीधा अल्टीमेटम

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर हमास गाजा में लोगों की हत्या करता रहा, तो उनके पास ष्उन्हें अंदर जाकर मारनेष के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा। ट्रंप की यह कड़ी प्रतिक्रिया सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो वायरल होने के बाद आई है, जिनमें हमास के आतंकवादी गाजा में प्रतिद्वंद्वी समूहों के सदस्यों की हत्या करते हुए दिखाई दे रहे हैं। ट्रंप ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, अगर हमास गाजा में लोगों की हत्या करता रहा, जो कि समझौते का हिस्सा नहीं था, तो हमारे पास उन्हें अंदर जाकर मारने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने हमास को चेतावनी दी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को हमास को चेतावनी दी कि अगर गाजा में खून खराबा जारी रहा तो ''हमें मजबूरन वहां जाकर उसका खात्मा करना पड़ेगा।'' यह चेतावनी उस समय दी गई जब पिछले हफ्ते इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम और बंधक समझौते के बाद से क्षेत्र में जारी हिंसा को ट्रंप ने पहले मामूली बताया था। बहरहाल, हमास को चेतावनी देने के बाद उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका अपने सैनिक गाजा नहीं भेजेगा।

गाजा में खून–खराबा रुका नहीं तो हमास को खत्म कर देंगे

उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''यह हम नहीं करेंगे। हमारे नजदीक ऐसे लोग हैं जो यह काम बहुत आसानी से कर लेंगे, लेकिन हमारी देखरेख में।'' ट्रंप ने मंगलवार को कहा था कि हमास ने ''कुछ बहुत बुरे गिरोहों'' को खत्म कर दिया है और गिरोह के कई सदस्यों की हत्या की है। उन्होंने यह भी कहा, ''सच कहूं तो इससे मुझे ज्यादा फर्क नहीं पड़ा।'' हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि वह अपनी धमकी को कैसे लागू करेंगे और अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' ने भी इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। फिर भी ट्रंप ने यह साफ किया कि गाजा में हमास द्वारा प्रतिद्वंद्वी गुटों की हत्या किए जाने को लेकर उनका धैर्य सीमित है।उन्होंने कहा, ''उन्हें अपने हथियार डालने होंगे, वरना हम उन्हें निशस्त्र करेंगे और यह जल्दी एवं संभवतः हिंसक तरीके से होगा।'' गाजा में 18 साल पहले सत्ता में आने के बाद हमास की पुलिस ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कायम की थी, लेकिन हाल के महीनों में इजराइली हमलों और कब्जे के कारण उनकी पकड़ कमजोर पड़ गयी है। स्थानीय सशस्त्र गिरोहों और इजराइल समर्थित गुटों पर मानवीय सहायता लूटने और बेचने के आरोप हैं।

संक्षिप्त

संयुक्त राष्ट्र ने मेडागास्कर में सैन्य तख्तापलट की निंदा की

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने मेडागास्कर में सैन्य तख्तापलट की बृहस्पतिवार को निंदा की। देश में तख्तापलट का नेतृत्व करने वाले सेना के कर्नल को सैनिकों द्वारा सत्ता संभालने की घोषणा किए जाने के तीन दिन बाद शुक्रवार को राष्ट्रपति के रूप में शपथ दिलाई जाएगी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा, ''उन्होंने मेडागास्कर में सरकार के असंवैधानिक परिवर्तन की निंदा की और संवैधानिक व्यवस्था एवं कानून के शासन की वापसी का आह्वान किया।''

कर्नल माइकल रैंड्रियनिरिना द्वारा हस्ताक्षरित एक बयान के अनुसार, शुक्रवार को उच्च संवैधानिक न्यायालय में आयोजित एक समारोह में उन्हें मेडागास्कर के नेता के रूप में शपथ दिलाई जाएगी। कर्नल रैंड्रियनिरिना ने ''पुनर्स्थापित'' मेडागास्कर गणराज्य के राष्ट्रपति के रूप में बयान पर हस्ताक्षर किए। सैन्य विद्रोह के बाद अपदस्थ राष्ट्रपति एंड्री राजोइलिना अपनी जान को खतरा बताकर देश से भाग गए। अभी यह पता नहीं है कि वह कहां हैं। मेडागास्कर को अफ्रीकी संघ से निलंबित कर दिया गया है। उसने कहा है कि वह इस अधिग्रहण को ''पूरी तरह से अस्वीकार'' करता है। रैंड्रियनिरिना ने मंगलवार को घोषणा की कि सशस्त्र बल तीन सप्ताह से जारी सरकार विरोधी घातक प्रदर्शनों के बाद नियंत्रण अपने हाथ में ले रहे हैं। इन प्रदर्शनों का नेतृत्व मुख्यतः असंतुष्ट युवाओं ने किया। इन युवाओं ने सरकारी सेवाओं की विफलताओं, गरीबी और अवसरों की कमी के खिलाफ प्रदर्शन किए और अभिजात वर्ग पर भ्रष्टाचार और भाई–भतीजावाद का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारी 'जेन जेड मेडागास्कर' के नाम से लामबंद हुए। इससे पहले नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश में भी युवाओं के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के बाद नेताओं को सत्ता से बेदखल किया गया।

ट्रंप के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पर गोपनीय जानकारी परिजनों के साथ साझा करने के आरोप लगाए गए

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रह चुके जॉन बोल्टन पर बृहस्पतिवार को आरोप लगाया गया कि उन्होंने गोपनीय सरकारी दस्तावेज अपने घर में रखे और सरकारी कामकाज से जुड़े गोपनीय विवरण अपने परिजनों के साथ साझा किए। बोल्टन पर 18 आरोपों वाले अभियोग पत्र में यह भी कहा गया है कि ईरान से जुड़े हैकर्स ने बोल्टन के ईमेल अकाउंट को हैक कर गोपनीय सूचनाओं तक पहुंच बनायी। बोल्टन ने 2021 में संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) को अपने ईमेल हैक किए जाने की सूचना दी थी लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया था कि उन्होंने उस अकाउंट से गोपनीय जानकारी साझा की थी जो अब हैकरों के हाथ लग गई। यह मामला रिपब्लिकन पार्टी के विदेश नीति के विशेषज्ञों में से एक बोल्टन पर केंद्रित है, जो अपनी कठोर विदेश नीति और युद्ध समर्थक रुख के लिए जाने जाते हैं। ट्रंप के पहले कार्यकाल में वह एक साल से अधिक समय तक उनके साथ रहे लेकिन 2019 में उन्हें बर्खास्त कर दिया गया था। बाद में उन्होंने ट्रंप की कड़ी आलोचना करते हुए किताब प्रकाशित की। पिछले एक महीने में ट्रंप के किसी आलोचक के खिलाफ दर्ज यह तीसरा मामला है। बोल्टन ने बृहस्पतिवार को इन आरोपों से इनकार किया और इसे ''ट्रंप द्वारा अपने विरोधियों को डराने का प्रयास'' बताया है। उन्होंने कहा, ''अब मैं न्याय विभाग के राजनीतिक हथकंडे का नया शिकार बन गया हूं।'' अभियोग के अनुसार, 2018 से लेकर अगस्त 2024 तक बोल्टन ने अपने दो परिजनों के साथ 1,000 से अधिक पन्नों की गोपनीय जानकारी साझा की जिनमें अति गोपनीय बैठकों, खुफिया रिपोर्टों और विदेशी नेताओं से बातचीत के विवरण शामिल थे। इन दस्तावेजों में से कुछ में विदेशी दुश्मनों की सैन्य योजनाएं, गुप्त अमेरिकी अभियान और हमलों की जिम्मेदारी से जुड़ी सूचनाएं थीं।

अमेरिकी अदालत ने फलस्तीनी कार्यकर्ता महमूद खलील को अमेरिका में स्वतंत्र रूप से घूमने की अनुमति दी

अमेरिकी की एक संघीय अदालत ने महमूद खलील पर लगाए गए यात्रा प्रतिबंध हटा दिए हैं जिससे फलस्तीनी कार्यकर्ता को अमेरिका में रैलियों और अन्य कार्यक्रमों में बोलने की अनुमति मिल गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने खलील के खिलाफ निर्वासन का मामला दर्ज कराया है। खलील को जून में लुइसियाना की एक आव्रजन जेल से रिहा किया गया था। उन्होंने एक संघीय मजिस्ट्रेट न्यायाधीश से उन प्रतिबंधों को हटाए जाने का अनुरोध किया था, जिनके तहत उनकी यात्राएं केवल न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, वाशिंगटन डीसी, लुइसियाना और मिशिगन तक सीमित थीं।

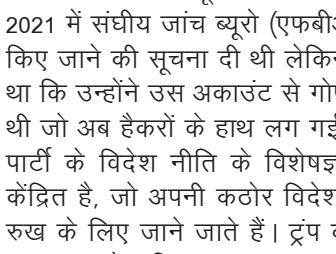

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

सत्ता संघर्ष में मंगोलिया के पीएम को गंवानी पड़ी कुर्सी, सिर्फ 4 महीने सरकार में रहे गोम्बोजाव

बीजिंग। सत्ता संघर्ष में मंगोलिया के प्रधानमंत्री जंदनशतर गोम्बोजाव को पद से हटा दिया गया है। मंगोलिया के दिग्गज नेता को महज 4 महीने में अपनी कुर्सी गंवानी पड़ी। शुक्रवार (17 अक्तूबर) को मंगोलिया की संसद ने प्रधानमंत्री गोम्बोजाव को पद से हटाने के लिए मतदान किया। यह फैसला सत्तारूढ़ मंगोलियन पीपल्स पार्टी (एमपीपी) के भीतर चल रहे सत्ता संघर्ष के बीच लिया गया। संसद ने राजनेताओं से भारी अविश्वास प्रस्ताव मिलने के बाद उनको पद छोड़ना पड़ा। 13 जून 2025 को लुवसन्नामस्रेन ओयुन–एर्डीन के इस्तीफे के बाद जंदनशतर गोम्बोजाव ने प्रधानमंत्री पद संभाला था। हालांकि प्रधानमंत्री जंदनशतर के विरोधियों ने संसद में एक विवादित प्रस्ताव पारित कर दिया, जिससे उन्हें प्रभावी रूप से पद से हटा दिया गया है। इसी बीच संसद अध्यक्ष और प्रधानमंत्री के प्रमुख प्रतिद्वंदी

अमरबायसगलन दशजेगवे के इस्तीफे पर भी बहस जारी रही।

71 सांसदों ने किया बर्खास्तगी का समर्थन

मंगोलिया की 126 सीटों वाली राष्ट्रीय संसद, स्टेट ग्रेट खुराल में शुक्रवार को मतदान हुआ, जिसमें कथित तौर पर 111 सांसदों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। संसदीय बयान के अनुसार 71 सांसदों ने जंदनशतार की बर्खास्तगी का समर्थन किया और 40 सांसदों ने इसका विरोध किया।

फिलहाल कार्यवाहक पीएम बने रहेंगे गोम्बोजाव

जंदनशतर गोम्बोजाव को जून में प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया था, और अब वे नए प्रधानमंत्री की नियुक्ति तक कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने रहेंगे। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि वे अपने पद से हटाए जाने को चुनौती देंगे या नहीं।

यह राजनीतिक उथल–पुथल ऐसे समय में हुई है, जब अगले वित्त वर्ष का बजट अभी पारित नहीं हुआ है। बजट में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर इस सप्ताह शिक्षकों ने हड़ताल की है, और चिकित्सकों ने भी ऐसा करने की चेतावनी दी है। दरअसल, सत्तारूढ़ दल में यह कलह तब शुरू हुई जब जंदनशतर पार्टी नेतृत्व का चुनाव अमरबायसगलन से हार गए। इसके बाद जंदनशतर के समर्थकों ने संसद अध्यक्ष पर कोयला खनन उद्योग में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए, जिसके बाद सरकार ने जांच शुरू की। जंदनशतर ने अपनी बर्खास्तगी पर मतदान से पहले बहस के दौरान कहा, हम देश की संपत्ति की चोरी के खिलाफ लड़ रहे हैं, जिसने हर मंगोलियन को लूटा है। हम शिक्षकों और डॉक्टरों के वेतन बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं।

पद से हटाने के लिए प्रस्ताव पेश किया

रिपोर्टों के अनुसार 10 अक्टूबर को 50 से ज्यादा विधानमंडल सदस्यों ने संवैधानिक उल्लंघनों और शासन संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए जंदनशतर को उनके पद से हटाने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया। इस विवाद के केंद्र में प्रधानमंत्री द्वारा हाल ही में न्याय और गृह मंत्री की नियुक्ति थी।

पेरिस की तरह वॉशिंगटन में विशाल दरवाजा बनवाना चाहते हैं ट्रंप

अमीर कारोबारियों के डिनर में सामने रखी मंशा

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप राजधानी वॉशिंगटन में अपनी एक खास पहचान छोड़ना चाहते हैं। इसके लिए वह लिंकन स्मारक के पास एक पेरिस की तरह एक विशाल दरवाजा बनवाना चाहते हैं। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में आयोजित एक रात्रिभोज के दौरान बुधवार को इस योजना का खुलासा किया। यह रात्रिभोज उन अमीर व्यापारियों के लिए था, जिन्होंने व्हाइट हाउस में 250 मिलियन डॉलर की लागत से एक भव्य हॉल (बॉलरूम) बनवाने के लिए पैसा दान किया है। हालांकि,ट्रंप ने दरवाजा बनाने की लागत का कोई जिक्र नहीं किया। ट्रंप ने कहा, यह वाकई बहुत खूबसूरत होने वाला है। उन्होंने आगे कहा, श्मुझे लगता है कि यह शानदार होगाश। कई राष्ट्रपति और उनके परिवार अपने कार्यकाल के दौरान व्हाइट हाउस में कोई खास बदलाव करके अपनी पहचान छोड़ने की कोशिश करते रहे हैं। ट्रंप भी ऐसा ही कर रहे हैं। उन्होंने पहले ही कुछ डिजाइन और निर्माण से जुड़े कार्यों में बदलाव किए हैं। इनमें सबसे बड़ा बदलाव रोज गार्डन को पक्के पत्थर से ढका हुआ आंगन बनाना है। लेकिन यह दरवाजा केवल व्हाइट हाउस तक सीमित नहीं है। यह ट्रंप को वॉशिंगटन में एक और स्थायी स्मारक बनवाने का मौका देगा, जो स्मारकों के लिए मशहूर शहर है। यह योजना ट्रंप के उस पुराने विचार से जुड़ी है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह शहर की पुरानी चीजों जैसे घास, टूटे–फूटे साइन बोर्ड और सड़कों के बीच की जगहों को नया बनाना चाहते हैं। ऐसा लगता है कि ट्रंप को फ्रांस से मिलती है। ट्रंप ने जो विशाल दरवाजा बनाने का प्रस्ताव रखा है, वह पेरिसके मशहूर आर्क डी ट्रायंफ से काफी हद तक मिलता–जुलता होगा। आर्क डी ट्रायंफ पेरिस की प्रसिद्ध सड़क चौंप्स–एलीसीज के अंत में स्थित है। यह स्मारक उन सैनिकों की याद में बनाया गया था, जिन्होंने फ्रांस की क्रांति और नेपोलियन के युद्ध में लड़ाई लड़ी थी। इस साल की शुरुआत में वॉशिंगटन में अमेरिकी सेना के 250वें स्थापना दिवस के मौके पर एक सैन्य परेड का आयोजन किया गया था। ट्रंप को इस परेड की प्रेरणा तब मिली थी, जब करीब आठ साल पहले उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर पेरिस में ऐसी ही एक भव्य परेड देखी थी। व्हाइट हाउस को जब इस दरवाजे के बारे में जानकारी के लिए ईमेल भेजा गया, जिसमें पूछा गया था कि यह कब तक बनकर तैयार हो सकता है, तो व्हाइट हाउस ने इस पर तत्काल कोई जवाब नहीं दिया। बाद में ट्रंपने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि इस परियोजना पर हैरिसन डिजाइन नाम की एक स्थानीय कंपनी काम कर रही है। हालांकि, इस कंपनी ने भी गुरुवार को भेजे ईमेल का कोई जवाब नहीं दिया।

'भारत पर कोई हुक्म नहीं चला सकता'

तेल मामले में ट्रंप के बयान पर बोले रूस के उपप्रधानमंत्री

मॉस्को। रूसी तेल की खरीद पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान पर रूस के उप–प्रधानमंत्री एलेक्जेंडर नोवाक ने कहा मुझे विश्वास है कि हमारे साझेदार हमारे साथ काम करना जारी रखेंगे। हमारे ऊर्जा संसाधनों की मांग है, यह आर्थिक रूप से लाभदायक और व्यावहारिक है। हमारे साझेदार भारत ने लगातार यह घोषणा की है कि कोई उन पर हुक्म नहीं चला सकता और वे अपना रास्ता स्वयं चुनेंगे। यही हमारे रिश्ते की कसौटी है। नोवाक ने यह भी कहा कि भारत ने अब तेल का भुगतान चीन की मुद्रा युआन में करना शुरू कर दिया है हालांकि अब भी ज्यादातर भुगतान रूबल में ही हो रहा है। भारत ने सितंबर में रूस से 25597 करोड़ रुपये का तेल खरीदा है जो चीन के मुकाबले कम है। वहीं, भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने कहा भारत के साथ रूस के ऊर्जा संबंध नई दिल्ली के राष्ट्रीय हितों के अनुरूप हैं। दोनों देशों में समग्र द्विपक्षीय व्यापार संबंध बेहतर हो रहे हैं। रूसी राजदूत से जब पूछा गया कि क्या ट्रंप की टिप्पणियों के मद्देनजर भारत रूसी कच्चे तेल की खरीद जारी रखेगा, तो उन्होंने कहा, इसका जवाब भारत सरकार को देना है। भारत सरकार अपने देश के राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर इस मामले से निपट रही है। अलीपोव ने यह भी कहा कि भारत के कुल हाइड्रोकार्बन आयात में रूसी कच्चे तेल का योगदान लगभग एक–तिहाई है। इससे पहले अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि और राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापार सलाहकार जैमीसन ग्रीर ने कहा था कि भारत अपने फैसले खुद लेता और अमेरिका दूसरे देशों को यह निर्देश नहीं दे रहा है कि वे किसके साथ संबंध रखें। न्यूयॉर्क के इकोनॉमिक क्लब द्वारा आयोजित एक बातचीत के दौरान ग्रीर ने कहा था कि भारत ने हमेशा इतना रूसी तेल नहीं खरीदा है। रूस के साथ उनके हमेशा मजबूत संबंध रहे हैं, लेकिन पिछले दो या तीन वर्षों में उन्होंने न केवल उपभोग के लिए, बल्कि रिफाइनिंग और बेचने के लिए भी रूस से कम कीमत पर तेल खरीदना शुरू किया है।

मेडागास्कर में तख्तापलट के बाद सेना के कर्नल ने संभाला राष्ट्रपति पद, संयुक्त राष्ट्र ने की निंदा

एंटानानारिवो। अफ्रीका के पूर्वी तट के पास बसे द्वीपीय देश मेडागास्कर में सैन्य तख्तापलट के बाद सेना के एक कर्नल ने सत्ता संभाल ली है। कर्नल माइकल रैंड्रियनिरीना ने शुक्रवार को राष्ट्रपति पद की शपथ ली। संयुक्त राष्ट्र ने इस सैन्य कब्जे की कड़ी निंदा की है। कर्नल रैंड्रियनिरीना ने सिर्फ तीन दिन पहले घोषणा की थी कि सेना देश की बागडोर संभालेगी। गुरुवार को

उन्हें औपचारिक रूप से संवैधानिक न्यायालय में राष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर सैन्य अधिकारियों, सरकारी प्रतिनिधियों और विदेशी राजनयिकों ने भाग लिया।

कैसे हुआ सत्ता परिवर्तन?

पिछले तीन हफ्तों से युवाओं के नेतृत्व में सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन चल रहे थे। प्रदर्शनकारियों की मुख्य शिकायतें थीं, पानी और बिजली की कमी, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार। इसी माहौल में कर्नल रैंड्रियनिरीना ने राष्ट्रपति एंड्री राजोएलीना के खिलाफ बगावत कर दी और उनके समर्थक सैनिकों को पीछे धकेलते हुए सत्ता पर कब्जा कर लिया।

देश छोड़कर राष्ट्रपति भागे, संसद ने हटाया

इस दौरान राष्ट्रपति राजोएलीना देश छोड़कर भाग गए। रिपोर्टों के अनुसार, वे एक फ्रांसीसी सैन्य विमान से निकले। संसद ने उनके खिलाफ महाभियोग चलाकर पद से हटा दिया। इसके बाद संवैधानिक न्यायालय ने सेना के कर्नल को राष्ट्रपति बनने का न्योता दिया।

नई व्यवस्था– दो साल तक सेना की हुकूमत

कर्नल रैंड्रियनिरीना ने कहा है कि देश को अब एक सैन्य परिषद चलाएगी और 18 महीने से दो साल बाद चुनाव कराए जाएंगे। उन्होंने दावा किया, अब हम देश को फिर से गौरव दिलाएंगे, असुरक्षा से लड़ेंगे और जनता की समस्याएं हल करेंगे।

तख्तापलट की यूएन ने की आलोचना

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि यह सत्ता परिवर्तन असंवैधानिक है और श्संवैधानिक व्यवस्था बहाल की जानी चाहिए।श अफ्रीकी संघ ने भी इस कदम को पूरी तरह खारिज कर दिया है और मेडागास्कर की सदस्यता निलंबित कर दी है।

हंगरी में ट्रंप–पुतिन की मुलाकात से पीएम ओर्बान खुश, बोले– हम यूरोप के एकमात्र शांति समर्थक देश

बुडापेस्ट। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति पुतिन के बीच होने वाली आगामी वार्ता के बुडापेस्ट में होने पर हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बान ने खुशी जाहिर की।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।